राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 हीरो मोटोकॉर्प का चौथी तिमाही में मुनाफा | सम्पादकीय | परदेशी शिक्षा की राह में बाधा | फिर महंगी हुई शाकाहारी थाली 5

वर्ष 18 ● अंक 83 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online भोपाल, गुरूवार 09 मई 2024 email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

रातों-रात ऐसी क्या डील हुई जो शहजादे ने अडाणी-अंबानी को गाली देना बंद किया: पीएम मोदी

पीएम ने पूछा - क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है?

आर.एन.एस.

करीमनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में पहली बार अडाणी-अंबानी का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पिछले 5 सालों से कांग्रेस के शहजादे दिन-रात एक ही माला जपते थे। 5 उद्योगपति, अंबानी और अडाणी, लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी-अडाणी को गाली देना बंद कर दिया है...क्यों?

पीएम ने कहा- मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अडाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है? काला धन के बोरे भर के रुपए मारे हैं? कांग्रेस पार्टी को चुनाव के लिए उन उद्योगपतियों से कितना माल मिला? क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है? पीएम के बयान पर कांग्रेस

राहुल के अमेरिका वाले अंकल को दक्षिण भारतीय अफ्रीकन जैसे लगते हैं

पीएम ने वारंगल की रैली में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा- अमेरिका में शहजादे (राहुल गांधी) के फिलॉसफर और गाइड अंकल (सैम पित्रोदा) हैं। वे कांग्रेस पार्टी में थर्ड अंपायर की तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा है कि दक्षिण भारत के लोग अफ्रीकन जैसे लगते हैं।

पीएम ने कहा- आज मैं बहुत गुस्से में हूं। लोग मुझे गाली दें तो मैं सह लूंगा, लेकिन शहजादे के फिलॉसफर ने देश के लोगों को इतनी बड़ी गाली दी है कि मेरे मन में गुस्सा भर गया है। क्या मेरे देश में चमड़ी का रंग देखकर लोगों की योग्यता तय होगी। चमड़ी के रंग का खेल खेलने का हक शहजादे को किसने दिया है। संविधान सिर पर लेकर नाचने वाले लोग देश का अपमान कर रहे हैं।

पीएम ने कहा- हमारा पूरा देश संभावनाओं से भरा हुआ है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने पूरे शासनकाल में हमारे लोगों की क्षमता को बर्बाद करने के अलावा कुछ नहीं किया। कांग्रेस पार्टी ने हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया, कृषि और कपड़ा क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया। कांग्रेस ही देश में समस्याओं की सबसे बड़ी जननी है।

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- वक्त बदल रहा है। दोस्त दोस्त ना रहा। थर्ड फेज की वोटिंग के बाद आज प्रधानमंत्री जी अपने मित्रों पर ही हमलावर हो गए हैं। इससे पता चल रहा है कि मोदी जी की कुर्सी डगमगा रही है। यही परिणाम के असली रुझान हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा बोले- तीन चरणों के चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी इतने बौखला गए हैं कि अडाणी-अंबानी के खिलाफ बोलने लगे। पीएम मोदी ने कहा- राहुल गांधी जी अडाणी-अंबानी का नाम नहीं लेते। सच्चाई ये है कि 3 अप्रैल से अब तक राहुल गांधी जी 103 बार अडाणी और 30 बार अंबानी का नाम ले चुके हैं। कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया पर राहुल की संसद की वो तस्वीर शेयर की जिसमें वो मोदी और अडाणी का फोटो दिखा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी बिना अवकाश लिए 25 सालों से लगातार भारत माता की सेवा में जुटे हुए हैं : मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, देवास लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान आयोजित रोड शो, प्रबुद्धजन सम्मेलन, युवा मोर्चा सम्मेलन, बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में भी सहभागिता की एवं पंडित कमल किशोर नागर जी से आशीर्वाद प्राप्त किया

मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, देवास। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता के समर्थन में गरोठ विधानसभा के भानपुरा, सुवासरा विधानसभा के शामगढ़, रतलाम लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान के समर्थन में थांदला विधानसभा, उज्जैन लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया के समर्थन में महिदपुर विधानसभा एवं देवास लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में आष्टा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी न 75 साल पहले सुधरी थी और न ही आज सुधर पाई है। ये आजादी के बाद से लगातार पाप किए जा रहे हैं। कांग्रेस ने भगवान श्रीरामलला का आमंत्रण ठुकराया है, अब देश की जनता इनको ठुकराएगी। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सोमनाथ का मंदिर बनाकर गौरव वापस दिलाया था। अब घमंडिया गठबंधन के सारे बेईमान परेशान हैं और एक लाइन में खड़े होकर मोदीजी को गाली दे रहे हैं। कांग्रेस ऐसी रेल में बैठी है, जिसमें न आगे इंजन है और न ही पीछे इंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं। वे बिना अवकाश लिए 25 सालों से लगातार भारत माता की सेवा में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान मंदसौर में प्रबुद्धजनों के साथ संवाद किया एवं रतलाम के अंबापाडा में पं. कमल किशोर नागर की कथा में सम्मिलित होकर उनसे आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस दौरान थांदला विधानसभा एवं आष्टा में रोड शो किया तो वहीं उज्जैन में युवा मोर्चा के सम्मेलन व सोनकच्छ विधानसभा में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

कांग्रेस की बहुसंख्यक समाज से दुश्मनी है

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की बहुसंख्यक समाज से दुश्मनी है। दुश्मनी तो इनकी देशभक्त अल्पसंख्यकों से भी है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से देश के बहुसंख्यकों के साथ छलावा किया है। कांग्रेस को जब भी अच्छे कामों के लिए निमंत्रण दिया गया तो उन्होंने उस निमंत्रण को ठुकराया। पंडित जवाहरलाल नेहरू जी से लेकर आज की पीढ़ी तक में ये समस्या है। जब सोमनाथ का मंदिर तोड़ दिया गया तो उसे बनवाने की पहल सरदार वल्लभ भाई ने की। मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में कांग्रेस को आमंत्रण दिया गया तो जब भी इन्होंने आमंत्रण ठुकराया। इन्होंने भगवान सोमनाथ से भी दुश्मनी निभाई थी और अब भगवान श्रीराम से भी दुश्मनी निभाई है। ये उनकी प्राण-प्रतिष्ठा में भी नहीं पहुंचे और आज तक दर्शन करने के लिए भी नहीं जा सके। कांग्रेस की बहुसंख्यक समाज से दुश्मनी है। कांग्रेस के राज में भारत का बार-बार मान मर्दन हुआ। पंडित जवाहर लाल नेहरूजी के कपड़े धोने के लिए पानी बाहर से आता था। देश जब गरीबी झेल रहा था और वे कोट में गुलाब लगा कर घूमते थे। अब राहुल गांधी कहते फिर रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वे देश से गरीबी मिटाएंगे, लेकिन इतने वर्षों तक सरकार चलाई फिर भी गरीबी नहीं हटी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार में सोनिया गांधी ने पीछे से सरकार चलाई, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सरकारें चलाई लेकिन गरीबी दूर नहीं कर पाए। अब ये बाबू साहब कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो एक झटके में गरीबी दूर कर देंगे।

कांग्रेस उद्योगपति को मुख्यमंत्री बनाती है, भाजपा गरीब को मौका देती है

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में एचडी रेवन्ना 14 मई तक रिमांड पर

आर.एन.एस.

हसन। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल की विक्टिम के अपहरण के आरोपी और पूर्व पीम एचडी देवगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना की पुलिस रिमांड 14 मई तक बढ़ा दी गई है। रेवन्ना को एसआईटी ने 3 मई को विक्टिम के बेटे की शिकायत पर गिरफ्तार किया था। वहीं, मंगलवार शाम रेवन्ना की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बैचेनी की शिकायत की थी। डॉक्टरों ने उनका चेकअप किया और रिपोर्ट्स नॉर्मल आने पर उन्हें एसआईटी अधिकारियों के साथ वापस एसआईटी हेडक्वॉर्टर भेज दिया।

इधर, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने प्रज्वल रेवन्ना के आपत्तिजनक वीडियो फैलाए हैं। कुमारस्वामी एचडी रेवन्ना के भाई और प्रज्वल के चाचा हैं। शिवकुमार ने कहा कि कुमारस्वामी ब्लैकमेलिंग के राजा और इस पूरी कहानी के मुख्य किरदार और डायरेक्टर हैं।

दरअसल, मंगलवार को कुमारस्वामी ने कहा था कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार ने साजिश के तहत प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो वाली 25 हजार पेन ड्राइव बांटी हैं। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने 21 अप्रैल को पुलिस को डरा-धमकाकर बेंगलुरु ग्रामीण, मांड्या और हसन में ये पेन ड्राइव सर्कुलेट कराए।

दौसा के पास साबरमती एक्सप्रेस के जनरल कोच से उठा धुंआ

इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोकना पड़ा

आर.एन.एस.

दौसा। जयपुर-दिल्ली रेल मार्ग से गुजर रही वाराणासी-लखनऊ साबरमती एक्सप्रेस में धुआं उठने से यात्रियों में खलबली मच गई। घटनाक्रम दौसा के पास बुधवार दोपहर तब हुआ, जब जनरल कोच के लेदर चिपकने से तेज धुंआ उठा। इसका पता लगते ही हड़कंप मच गया। ट्रेन को तत्काल भांकरी स्टेशन पर रोका गया। जहां ट्रेन करीब 15 मिनट खड़ी रही।

दरअसल, रेलवे फाटक संख्या 168 के गेटमैन ने पहिए से धुंआ उठने की सूचना दी तो इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को भांकरी में रोका गया।

जनरल कोच के नीचे से धुंआ उठने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में ट्रेन के कई कोच से यात्री नीचे उतर गए। सूचना पर तत्काल रेलवे की तकनीकी टीम ने खामी दूर करके 15 मिनट बाद ट्रेन को फिर से रवाना किया। बताया जा रहा है कि गर्मी के दिनों में ट्रेनों में लेदर चिपकने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। इससे कोच के नीचे से धुंआ उठने के मामले अक्सर देखे जाते हैं।

उत्तराखंड के जंगलों में आग : बारिश या क्लाउड सीडिंग के भरोसे नहीं बैठ सकते - सुप्रीम कोर्ट

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। उत्तराखंड के जंगलों में आग को रोकने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम बारिश या क्लाउडसीडिंग के भरोसे हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं रह सकते. सरकार को कारगर रूप से कुछ करना होगा. जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने आग लगने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए इन पर शीघ्र लगाम लगाने के लिए सरकार को आदेश देने की गुहार लगाई. वकील ने कहा कि दो साल पहले भी एनजीटी में याचिका लगाई थी. अब तक सरकार ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की. इसलिए मुझे यहां आना पड़ा. ये मामला अखिल भारतीय है. उत्तराखंड इससे अधिक पीड़ित है. सरकार की ओर से दावाग्नि की घटनाओं और उसे काबू करने के उपायों की तफसील बताई.

सरकार ने कहा कि अब तक जंगलों में आग की 398 घटनाएं रजिस्टर की गई हैं. 350 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें 62 लोगों को नामजद किया गया है. 298 अज्ञात लोगों की पहचान की कोशिश जारी है. कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है.

एस्ट्राजेनेका दुनियाभर से वापस लेगी अपनी कोरोना वैक्सीन

लंदन। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने दुनिया भर में अपनी कोविड-19 वैक्सीन की खरीद-बिक्री बंद करने का फैसला किया है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने कहा है कि अब वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई नहीं की जा रही है।

एस्ट्राजेनेका का दावा है कि वैक्सीन को बंद करने का फैसला साइड इफेक्ट्स की वजह से नहीं लिया गया है। कंपनी ने बताया कि वैक्सीन को व्यावसायिक कारणों से बाजारों से हटाया जा रहा है। अब बाजार में कई दूसरी एडवांस्ड वैक्सीन मौजूद हैं, जो वायरस के अलग-अलग वैरिएंट्स से लड़ सकती हैं। ऐसे में एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई बंद कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका ने इस साल 5 मार्च को वैक्सीन वापस लेने का आवेदन किया था। यह मंगलवार (7 मई) से लागू हो गया। अब यूरोपीय संघ में वैक्सीन का उपयोग नहीं किया जा सकता है।

एस्ट्राजेनेका ने 2020 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर कोरोना की वैक्सीन बनाई थी। इसके फॉर्मूले से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई थी। वहीं ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में इसे वैक्सजेवरिया नाम से जाना जाता है।

दरअसल, एस्ट्राजेनेका ने फरवरी में ब्रिटिश हाईकोर्ट को बताया था कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन के खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने कोर्ट में जमा किए गए अपने दस्तावेजों में कहा कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है।

अब तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी कह रहे हैं कि चुनाव तो भाजपा ही जीत रही : विष्णुदत्त शर्मा

बुरहानपुर/खंडवा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को बुरहानपुर जिले के नेपानगर, बुरहानपुर और खंडवा जिले के खंडवा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा का यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। आज किसान सम्मान निधि और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं की पूरी राशि हितग्राहियों के खातों में आती है, एक रुपया भी दलालों या बिचौलियों के पास नहीं जाता। देश में कहीं आतंकवादी घटनाएं नहीं होतीं और सारी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस को देश की जनता की संपत्ति पर डाका नहीं डालने दिया जाएगा। देश को

आतंकवाद और भ्रष्टाचार से मुक्त तथा विकसित भारत बनाने के लिए श्री नरेंद्र मोदी जी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना जरूरी है। खण्डवा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में अब तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी कह रहे हैं कि चुनाव तो भाजपा ही जीत रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इंदौर से कांग्रेस के प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस लेने को लेकर कहा है कि वैसे भी भाजपा चुनाव जीत रही है। इसका मतलब पूरी तरह से स्पष्ट है कि कांग्रेस भी मान रही है कि यह लोकसभा चुनाव भाजपा ऐतिहासिक मतों से जीत रही है और श्री नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहे हैं।

हर तरफ एक ही आवाज, मोदी सरकार तीसरी बार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में विरासत टैक्स है, वहीं हमारे संकल्प-पत्र में गरीबों का कल्याण, देश का विकास, गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण का पूरा खाका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति देशभर के लोगों में अटूट विश्वास है। इस बार तो हैदराबाद में भी कमल खिलने जा रहा है। अब चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ तीन दिन का समय बचा है, ऐसे में हर बूथ पर कमल खिलाने का संकल्प लेकर सभी कार्यकर्ता प्राण-पण से पार्टी कार्य में जुट जाएं। प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि इन दिनों जहां भी जाओ, पूर्व-पश्चिम, उत्तर और दक्षिण हर दिशा में एक ही आवाज सुनाई दे रही है।

गुजरात : भाजपा नेता के बेटे ने बूथ कैप्चर किया!

4 मिनट से ज्यादा लाइव स्ट्रीमिंग की

आर.एन.एस.

दाहोद। लोकसभा चुनावों की तीसरी फेज की वोटिंग के दौरान गुजरात में भाजपा नेता के बेटे ने बूथ कैप्चरिंग की। इसे सोशल मीडिया पर लाइव किया। यह मामला महीसागर जिले के दाहोद लोकसभा सीट का है। वीडियो में आरोपी विजय भाभोर अपने साथियों से कहा कि ईवीएम तो अपने बाप की है। बुधवार सुबह दाहोद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. प्रभाबेन तावियाड ने केस दर्ज कराया। चुनाव आयोग ने जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। अब तक 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुख्य आरोपी विजय फरार है।

विजय ने बूथ कैप्चरिंग को सोशल मीडिया पर 4.27 मिनट से ज्यादा लाइव किया। इस दौरान वह अपने साथियों से बात करता नजर आ रहा है। आरोप है कि उसने चुनाव कर्मचारियों के साथ भी बदतमीजी की। आरोपी के पिता दाहोद तालुका के प्रमुख रह चुके हैं। यह भी दावा किया गया है कि विजय ने लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान ईवीएम अपने साथ ले जाने की भी बात कही थी। एफआईआर होने के बाद विजय ने वीडियो डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक

लोग इस बूथ कैप्चरिंग की घटना को देख चुके थे। कईयों ने इसके स्क्रीन शॉट भी शेयर किए।

कांग्रेस ने फिर से वोटिंग की मांग की

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि विजय ने अपने साथियों के साथ मिलकर बीजेपी प्रत्याशी के लिए जमकर फर्जी वोटिंग की है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से इस बूथ पर फिर से वोटिंग कराने की अपील की है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के 200 सीनियर क्रू सदस्य एक साथ गये छुट्टी पर

» **80 से ज्यादा फ्लाइट्स करनी पड़ी कैंसल**

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस के सीनियर क्रू-मेंबर्स एक साथ छुट्टी पर चले गए हैं। क्रू-मेंबर्स ने छुट्टी की वजह बीमारी बताई है। इसके चलते एयरलाइन को 80 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। एयरलाइन ने पैसेंजर्स को सलाह दी है कि बुधवार को एयरपोर्ट आने से पहले अपनी फ्लाइट की जानकारी जरूर ले लें। केबिन-क्रू की कमी के चलते आज भी कई फ्लाइट्स कैंसिल हो सकती हैं। एजेंसी के मुताबिक, टाटा ग्रुप की एयरलाइन के 200 से ज्यादा सीनियर क्रू-मेंबर्स छुट्टी पर गए हैं। जिन शहरों में फ्लाइट्स कैंसल हुई हैं, उनमें कोच्चि, कालीकट और बेंगलुरु शामिल हैं। फ्लाइट कैंसिल होने के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे केबिन-करू ने मंगलवार रात अचानक बीमार होने की सूचना दी है, जिसके बाद कुछ उड़ानों में देरी हुई और कुछ रद्द कर दी गई हैं।

जयपुर : 11 ट्रेनी एसआई और कॉन्स्टेबल को जमानत का आदेश रद्द

आर.एन.एस.

जयपुर। एसआई भर्ती पेपरलीक केस में हाईकोर्ट ने सीएमएम कोर्ट के 11 ट्रेनी एसआई और कॉन्स्टेबल को जमानत पर रिहा करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल की अदालत ने सीएमएम कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि जब कोर्ट ने पहले से गिरफ्तार 14 आरोपियों के संबंध में तथ्य जांचने के लिए डीजीपी को निर्देश दिए थे, तो उस रिपोर्ट के आने से पहले कोर्ट को इन आरोपियों को लेकर डिफरेंट व्यू लेने की कोई आवश्यकता नहीं थी। हाईकोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि पहले से लंबित जांच के साथ-साथ इन 12 आरोपियों की गिरफ्तारी के तथ्यों की जांच करके 15 दिन में रिपोर्ट सीएमएम कोर्ट में पेश करें। वहीं, रिपोर्ट आने के बाद

सीएमएम कोर्ट अवैध हिरासत के बिंदू को तय करें। दरअसल, जयपुर मेट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने 11 ट्रेनी एसआई और एक कॉन्स्टेबल को 12 अप्रैल को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे। जिस पर हाईकोर्ट ने 15 अप्रैल को अंतरिम रोक लगा दी थी। इस रोक के बाद आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को एक सप्ताह में मामले की सुनवाई पूरी करने के आदेश दिए थे।

कनाडाई विदेश मंत्री भारत पर लगाये आरोपों पर कायम

भारत ने जवाब में कहा- लाइन क्रॉस न करे कनाडा

नई दिल्ली। कनाडा ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत पर लगाए गए आरोपों को दोहराया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलेनी जोली ने कहा, हम अभी भी यही मानते हैं कि भारतीय एजेंट्स ने कनाडाई धरती पर हमारे नागरिक की हत्या करवाई। दूसरी तरफ कनाडा में मौजूद भारत के हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने कहा, भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर बुरी नजर डालना लक्ष्मण रेखा पार करने जैसा है। भारत का भविष्य अब विदेशी नहीं, बल्कि भारतीय खुद तय करेंगे। मीडिया से बात करते हुए कनाडा की विदेश मंत्री जोली ने बताया कि निज्जर की हत्या की जांच रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस कर रही है। जोली ने कहा ,कनाडा की प्राथमिकता देश के नागरिकों की रक्षा करना है।

सुदूरवर्ती बैगा बाहुल्य ग्राम गुट्टीपारा पहुंचे कलेक्टर, ग्रामीणों से की चर्चा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ आज जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र सुदूरवर्ती बैगा बाहुल्य ग्राम गुट्टीपारा पहुंचे। जहां कलेक्टर का स्वागत बैगा जनजातीय परंपरा के अनुरूप किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीण परंपरा एवं परिवेश के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अनविभागीय अधिकारी वन पुष्पराजगढ़, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जनजाति परंपरा के अनुरूप किया गया कलेक्टर का स्वागत, कलेक्टर ने चखा जंगली फल चार का स्वाद

ग्राम गुट्टीपारा में वैकल्पिक मार्ग निर्माण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने अधिकारियों से ग्राम गुट्टीपारा में प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत 30 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है तथा योजना के तहत निर्माण कार्यों की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। कलेक्टर को बताया गया कि ग्राम गुट्टीपारा दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है, जहां विधिवत मार्ग नहीं होने के कारण निर्माण सामग्री ऊपर पहाड़ी क्षेत्र में नहीं पहुंच पा रही है। जिसे प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्य समय में नहीं हो पा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जनरल मैनेजर एवं वन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ वैकल्पिक मार्ग बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि वैकल्पिक मार्ग बन जाने से निर्माण सामग्री समुचित स्थान पर पहुंच सकेगी तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्य समय पर हो सकेंगे।

कलेक्टर ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य के जांच करने के दिए निर्देश

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने बैगा बाहुल्य ग्राम गुट्टीपारा के बैगा ग्रामीणों से रुबरू होकर उनके खान-पान, जीवन पद्धति के संबंध में चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से गर्भवती हाई रिस्क महिलाओं कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि गांव के महिलाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट किया जाए तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी सभी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्रामीणों को मिल रहे लाभ के संबंध में ली जानकारी

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित बैगा बाहुल्य ग्राम गुट्टीपारा के ग्रामीणों को मिल रहे शासन की योजनाओं के संबंध में जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि ग्राम गुट्टीपारा में लगभग 150 लोग निवास कर रहे हैं तथा यहां की बैगा महिलाओं को आहार अनुदान की राशि दी जा रही है तथा 6 बेटियों को लाडली लक्ष्मी योजना का भी लाभ दिया जा रहा है।

कलेक्टर ने साफ एवं स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के दिए निर्देश

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने ग्रामीणों से पेयजल व्यवस्था के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली। ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया कि गांव में पेयजल की बहुत समस्या है। हमें पेयजल मुहैया कराया जाए जिस पर कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यंत्र की विभाग को जल के स्रोत की वैकल्पिक खोज करके ग्रामीणों को साफ एवं स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने चखा जंगली फल चार का स्वाद

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने ग्राम गुट्टीपारा के ग्रामीण जंगली फल चार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिस पर बताया कि यह जंगली फल है, इसे हम ग्रामीण जंगल से लाकर सुखाते हैं इसे चार कहते हैं तथा इससे चिरौंजी भी निकलती है, जिसकी बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। इस दौरान कलेक्टर ने जंगली फल चार का स्वाद चखा तथा अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि ऐसा फल उन्होंने जीवन में पहली बार चखा है।

कलेक्टर के निर्देशन में रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

शिविर में 107 यूनिट रक्त का किया गया संग्रहण

अनूपपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कहा है कि रक्तदान करने वाले असल जीवन के सुपर हीरो होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि रक्त सबसे अमूल्य उपहारों में से एक है, जो कोई भी व्यक्ति दूसरे को दे सकता है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को रक्तदान अवश्य करना चाहिए जिससे जरूरतमंद को समय पर आवश्यकता पढ़ने पर रक्त मिल सके। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा आज रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. अवधिया, सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. अवधिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर पी सोनी, जिला रेडक्रॉस समिति के सचिव डॉ. जनक सरिवान, रेडक्रॉस समिति के सदस्य सहित चिकित्सकीय विभाग का अमला उपस्थित था।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने कहा कि अगर हमारे द्वारा दान किया गया रक्त किसी को जरूरत के समय मिलता है तो वह हमें अनेक दुआएं देता है जो हमारे लिए समृद्धि का प्रतीक है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने रेड क्रॉस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए यह भी कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए तथा जरूरतमंद को रक्त मुहैया कराया जाए यह एक सराहनीय कार्य है। रक्तदान शिविर में 107 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया।

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशन में आज रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर जिले में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने किया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा एवं सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर तथा सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. अवधिया ने रक्तदान कर नागरिकों से रक्तदान करने की अपील भी की।

इसी प्रकार शासकीय एकलव्य विद्यालय एवं कन्या शिक्षा परिसर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में शिक्षा विभाग के 22, मत्स्य विभाग के 03, जनसम्पर्क विभाग के 02, खाद्य विभाग के 05, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के 02, जिला पंचायत के 04, पशु चिकित्सा विभाग के 01 तथा जनपद पंचायत कोतमा के 06, जनजातीय कार्य विभाग के 02, जनपद पंचायत जैतहरी के 17, स्वास्थ्य विभाग के 5, जनपद पंचायत अनूपपुर के 03, आबकारी विभाग के 02, राजस्व विभाग के 15 शासकीय सेवकों तथा पत्रकार बीजू थॉमस सहित 17 आम जनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने रक्तदान किया।

पीड़ित मानवता की सेवा के लिए पत्रकार बीजू थॉमस ने किया रक्तदान

अनूपपुर। पीड़ित मानवता की सेवा के लिए रेडक्रॉस दिवस 8 मई के अवसर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंच कर स्वप्रेरणा से सामाजिक कार्यकर्ता तथा डिजिटल माध्यम से कार्टून/ डिजिटल लघु फिल्म के माध्यम से संदेश देने वाले पत्रकार बीजू थॉमस द्वारा रक्तदान किया गया उन्होंने रक्तदान करते हुए अन्य लोगों से भी रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश करने की अपील की है इस अवसर पर श्री थॉमस को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संभाग स्तरीय मोटीवेशनल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनूपपुर। कमिश्नर शहडोल संभाग बी.एस. जामोद के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में अनूपपुर जिला मुख्यालय के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के आडोटोरियम हाल में संभाग स्तरीय मोटीवेशनल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक स्तर में सुधार की नितांत आवश्यकता हेतु यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों के आगामी वर्ष में शिक्षा प्रणाली में सुधार, बच्चों के शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक एवं बच्चों के बीच समन्वय, वार्षिक परीक्षा परिणाम, बच्चों को विद्यालय में बेहतर सुविधाएं सहित अन्य विविध विषयों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सरिता नायक ने शिक्षकों से चर्चा करते हुए कहा कि छात्रों की सफलता और समग्र शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों की प्रेरणा एक महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक शिक्षा प्रणाली की रीढ़ हैं, और उनकी प्रेरणा और समर्पण छात्रों के भविष्य को आकार देने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आप सभी शिक्षक बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें जिससे जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में और ज्यादा सुधार हो सके।

कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर व्याख्याता एल.डी. द्विवेदी तथा देवेन्द्र तिवारी ने शिक्षकों को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि छात्रों की सफलता में शिक्षकों की प्रेरणा एक महत्वपूर्ण कारक हैं। शिक्षकों की प्रेरणा से बच्चों में सकारात्मक भाव आते हैं तथा परीक्षा में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलता है। उन्होंने प्रशिक्षण देते हुए बताया कि बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्हें शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करें तथा उनसे समन्वय करते हुए उनके समस्याओं का समाधान करें। विद्यार्थी जिस विषय पर कमजोर है, उस विषय पर और ज्यादा ध्यान दें, जिससे बच्चे का परीक्षा परिणाम बेहतर आ सके।

ईव्हीएम मशीन सहित निर्वाचन सामग्री जमा, मतगणना 4 जून को

श्योपुर, लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत गत 7 मई को श्योपुर जिले की विधानसभा श्योपुर एवं विजयपुर में संपन्न हुए मतदान के उपरांत शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज श्योपुर पर मतदान दलो से ईव्हीएम मशीने एवं निर्वाचन सामग्री प्राप्त कर जमा की गई। लोकसभा निर्वाचन के तहत मतगणना 4 जून को पॉलीटेक्निक कॉलेज श्योपुर में संपन्न होगी। निर्वाचन सामग्री जमा करने के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार जांगिड, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अनुज कुमार रोहतगी सहित संबंधित विधानसभा क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग आफिसर उपस्थित थे। लोकसभा निर्वाचन के तहत श्योपुर विधानसभा में 329 मतदान केन्द्रो तथा विजयपुर विधानसभा में 327 मतदान केन्द्रो पर मतदान की प्रक्रिया निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण संपन्न होने के उपरांत अपने निर्धारित वाहनो से लौटे मतदान दलो से शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में मतदान सामग्री जमा करने की प्रक्रिया की गई।

सोनी लिव के 'फ्रीडम एट मिडनाइट' की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिये अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों को भी शामिल किया गया

भोपाल। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में दर्शकों को भारत के सबसे महत्वपूर्ण दौर में से एक का दिलचस्प नजारा देखने को मिलेगा। वह दौर आजादी की लड़ाई और उसके बाद हुए विभाजन का था। स्वाधीनता के आह्वान से लेकर 1947 में मिली आजादी तक, यह सीरीज गांधी, नेहरू और पटेल जैसे दिग्गजों की प्रेरणा, संघर्ष और त्याग दिखाती है।

ऐसे में ऐतिहासिक दिग्गजों के साथ-साथ ल्यूक मैकगिबनी, एंड्रयू कुलम, रिचर्ड टेवर्सन, एलिस्टेयर फिनले और कॉर्डेलिया बगेजा जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभायें भी शो से जुड़ेंगी। मैकगिबनी और बगेजा भारत के अंतिम वायसराय और वायसरीन क्रमशः लॉर्ड लुईस माउंटबेटन और लेडी एडविना माउंटबेटन की भूमिका में होंगे। माउंटबेटन से पहले भारत के कमांडर-इन-चीफ और वायसराय आर्चिबाल्ड वैवेल की भूमिका फिनले निभाएंगे। कुलम 1945 से 1951 तक यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री रहे क्लेमेंट एटली का किरदार अदा करेंगे, जबकि टेवर्सन भारत में बाउंड्री कमीशन फॉर पार्टिशन के चेयरमैन सिरील रेडक्लिफ की भूमिका में होंगे। सावधानी के किये गये शोध और शानदार कलाकारों के साथ सोनी लिव भारत के गौरवशाली इतिहास और आजादी के संघर्ष को सिनेमा के माध्यम से श्रद्धांजलि देना चाहता है।

'फ्रीडम एट मिडनाइट' को डोमिनिक लैपीरे और लैरी कॉलिन्स की मशहूर किताब से अडाप्ट किया गया है। इसे एम्मे एंटरटेनमेंट (मोनीषा आडवाणी और मधु भोजवानी) ने स्टूडियोनेक्स्ट और सोनी लिव के साथ मिलकर बनाया है। निखिल आडवाणी इसके शोरनर और डायरेक्टर हैं। इसकी कहानी अभिनंदन गुप्ता, अद्वितीय कारेंग दास, गुणदीप कौर, दिव्य निधि शर्मा, रेवंता साराभाई और एथन टेलर ने लिखी है।

सोनी लिव और स्टूडियोनेक्स्ट के बिजनेस हेड दानिश खान ने कहा, ''सोनी लिव में हम 'फ्रीडम एट मिडनाइट' की पेशकश करते हुए बहुत खुश हैं। यह अपने ही नाम की साहित्यिक कृति पर आधारित है। यह सीरीज भारत की आजादी के इतिहास की बेमिसाल कहानी को गहराई और प्रामाणिकता के साथ बयां करेगी। निखिल आडवाणी के नेतृत्व और उनकी बेहद कुशल टीम के साथ किताब में लिखी बातों को पर्दे पर उकेरना असाधारण होगा। सोनी लिव, स्टूडियोनेक्स्ट और एम्मे में हमारा मानना है कि यह कहानी बहुत प्रासंगिक है और दुनियाभर में हमारे दर्शकों को अच्छी तरह समझ आएगी। दर्शकों को पता चलेगा कि विभाजन का घटनाक्रम क्या था और आखिरकार भारत को कैसे आजादी मिली।''

कलाकारों के चयन के बारे में निर्देशक निखिल आडवाणी ने कहा, ''जब हमने 'रॉकेट बॉयज़' बनाई थी, तब हमें यूके/यूएसए के अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों को न ले पाने का बड़ा खेद रहा। कोविड और लॉकडाउन के कारण हम ऐसा नहीं कर सके। जब हमने 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के लिये कलाकार चुनना शुरू किया, तब सोनी लिव और हम इसे ठीक करना चाहते थे। लॉर्ड लुईस माउंटबेटन और उनकी पत्नी लेडी एडविना माउंटबेटन की भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन का परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिकाएं रहीं। उनके अलावा एटली, वैवेल और रेडक्लिफ भी थे ही। उन्हीं लोगों ने आधुनिक भारत का विमर्श बदला। हम कुछ बुनियादी पलों के मशहूर फुटेज और तस्वीरें इस्तेमाल करना चाहते थे। इसलिये हमें ऐसे कलाकार चाहिये थे, जो न सिर्फ शारीरिक रूप से उन ऐतिहासिक दिग्गजों जैसे लगें, बल्कि हमारे द्वारा चुने गये बेहतरीन भारतीय कलाकारों को चुनौती भी दें।''

लॉर्ड लुईस माउंटबेटन की भूमिका निभाने के बारे में ल्युक मैकगिबनी ने बताया, ''मैंने माउंटबेटन की भूमिका में भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण हस्ती को अपनाया है। सत्ता के हस्तांतरण और विभाजन में माउंटबेटन की भूमिका महत्वपूर्ण और विवादास्पद रही है। ऐसे किरदार की पेचीदगी में जाना एक आकर्षक चुनौती थी, जिसका मायने रखने वाले वक्त में बड़ा असर रहा। भारत के अंतिम वायसराय से लेकर विभाजन के खौफनाक नतीजे तक, 'फ्रीडम एट मिडनाइट' हमें उन रिश्तों और फैसलों का नजारा दिखाती है, जिन्होंने देशों के फैसलों को बदल दिया।''

स्टेज से स्क्रीन तक: आगील के किरदार में जान डालने के लिये अदा के काम आई थियेटर की सीख

भोपाल। भारत के सबसे चहेते सुपरहीरो बालवीर ने सोनी लिव पर आ रहे शो 'बालवीर 4' के साथ शानदार वापसी की है। इस शो में देव जोशी और अदिति सानवाल के साथ अदा ने भी अभिनय किया, जिन्होंने हिम्बाश लोक की दुष्टों की साम्राज्ञी आगील की भूमिका निभाई थी। आगामी सीजन में वह अपनी इसी भूमिका को जारी रखेंगी।

आगील की भूमिका निभाने का अनुभव बताते हुए, अदा ने कहा, ''आगील का किरदार निभाते वक्त मेरे सामने कई चुनौतियाँ आईं, क्योंकि उसे निभाना आसान नहीं है। जैसा कि आप जानते हैं, आगील के लिये थियेट्रिकल परफॉर्मेंस जरूरी है, क्योंकि उसका किरदार बड़ा ही असरदार है। थियेटर से आने के कारण मैं आगील को पर्दे पर सही तरह से निभा सकी। जब आप पृथ्वी और एनसीपीए जैसे थियेटरों में परफॉर्म करते हैं, तब आवाज को बुलंद रखना सिखाया जाता है, क्योंकि धीमी आवाज में दर्शक संवाद को समझ नहीं सकेंगे। इस प्रैक्टिस ने आगील का किरदार निभाने में मेरी काफी मदद की, क्योंकि वह गुस्सैल है और अपना गुस्सा दिखाने के लिये

चिल्लाती है। एक और बात, जो सिर्फ थियेटर आपको सिखा सकता है, वह है अपनी धीमी आवाज का काम शारीरिक भाषा से पूरा करना। जब कभी मेरा गला खराब होता है और मैं चिल्ला नहीं पाती हूँ, तब आगील का गुस्सा दिखाने के लिये बॉडी लैंग्वेज का इस्तेमाल करती हूँ।''

आगील के किरदार को विकसित करने के लिये अपना तरीका बताते हुए अदा ने कहा, ''आगील की शख्सियत को जोरदार बनाने का काम मुश्किल था, क्योंकि उसका किरदार आम नहीं है। वह गुस्सैल है और उसके पास उपाय भी रहते हैं और इसलिये एक इंसान के तौर पर मुझे अपने ही नकारात्मक पहलूओं को समझने की जरूरत होती है। उसमें अच्छी तरह से ढलने के लिये लगभग एक से डेढ़ महीना लगा। लगभग पंद्रह दिनों तक मैं अकेली अंधेरे में बैठी रही और मैंने बार-बार आगील का ट्रैक सुना। और पूरे महीने के लिये मुझे किसी से बात नहीं करने की सलाह दी गई, ताकि मैं एक रानी की तरह एकांत में रहना पसंद करूं।'' विपुल शाह द्वारा निर्मित 'बालवीर 4' के किरदारों में देव जोशी, अदिति सानवाल और अदा की मुख्य भूमिकाएं हैं। यह शो ज्यादा एक्शन और एडवेंचर के साथ फैंटेसी की दुनिया का एक लुभावना नजारा दिखाएगा।

देखते रहिये 'बालवीर 4', सोमवार से शुक्रवार शाम 7 बजे सिर्फ सोनी लिव पर!

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में एक नए पीजी सर्टिफिकेट कोर्स 'डेटा साइंस एवं क्वान्टम कंप्यूटिंग' को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के द्वारा मंजूरी मिली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी - भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में स्नातकोत्तर पीजी सर्टिफिकेट प्रोग्राम चलाने के लिए संस्थान के इंजीनियरिंग साइंस विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है. पीजी कोर्स के तहत आवंटित उभरते क्षेत्र 'डेटा साइंस और क्वांटम कंप्यूटिंग' को प्रशिक्षण एवं शिक्षण ब्यूरो, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के द्वारा मंजूरी दी गयी है। ए. आई. सी. टी. ई. के द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुसार पीजी प्रमाणपत्र कार्यक्रम के तहत संस्थान में उभरते क्षेत्र डाटा साइन्स अँड क्वांटम कम्प्यूटिंग में अब स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र प्राप्त किए जा सकेंगे। संस्थान के निदेशक महोदय प्रो. एस एन सिंह ने बताया कि उक्त कोर्स को शुरू करने के लिए सारी व्यवस्थाएँ की जा चुकी हैं और इस कोर्स की प्रक्रिया मई माह में शुरू हो जाएगी। एआईसीटीई द्वारा संस्थान को आवंटित इस क्यू आई पी कोर्स की पहले से ही काफी डिमांड है। इस कोर्स के साथ

शिक्षकों को अपने करियर को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, जो कि सांख्यिकी, पायथन, मशीन लर्निंग और क्वान्टम कम्प्यूटिंग जैसे लोकप्रिय कौशल के साथ-साथ जेनरेटिव एआई और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे विषयों में महारत हासिल करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होने बताया कि क्वांटम गणना और क्वांटम जानकारी ने भौतिकी से लेकर रसायन विज्ञान और इंजीनियरिंग के साथ-साथ कंप्यूटर विज्ञान से लेकर गणित और सांख्यिकी तक वैज्ञानिक क्षेत्रों के कई क्षेत्रों पर काफी ध्यान आकर्षित किया है। डेटा विज्ञान बड़े डेटा से ज्ञान और अंतर्दृष्टि निकालने और जटिल वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए सांख्यिकीय तरीकों, कम्प्यूटेशनल एल्गोरिदम और डोमेन विज्ञान जानकारी को जोड़ता है। संस्थान की मीडिया प्रभारी दीपा सिंह सिसोदिया ने बताया कि कोर्स में अप्लाई करने से संबन्धित विस्तृत जानकारी जल्द ही संस्थान की वेबसाइट iiitm.ac.in पर साझा की जाएगी।

बाद में खटखटाइये मोक्ष और आध्यात्म के द्वार
पहले राहू हो संतुष्ट, कीजिए इच्छाओ का कारोबार

कलयुग में जीवन इच्छाओ और एम्बिशन का दूसरा नाम है| राहू कलयुग का राजा है इसलिए मोक्ष और आध्यात्म की राह पर पहला चढ़ावा राहू को ही चढ़ाया जाता है| राहू कलयुग में भौतिक सफलता की सीढ़िया भी उपलब्ध करवाता है| उस सफलता के बाद आध्यात्म की उन गहराइयो में ले जाता है जो बड़े बड़े साधको की कल्पना से भी परे हैं| राहू को ज्योतिष सहायता से समझिये, इसके बाद भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार के जीवन में सफलता के साधन ढूंढिए| ज्योतिष की मदद से कुंडली में शुभस्थ या पापस्थ राहू के आधार पर अपनी जीवन गति या कर्म गति का चुनाव करिए|

राहू की शक्ति पहचानिए, ज्योतिषी personality की objective study करके वो व्यवहार बता सकता है जिसकी मदद से पापस्थ राहू को नियंत्रित किया जा सके| जिस तरह कसरत करके शरीर का वज़न नियंत्रित किया जा सकता है उसी प्रकार मंत्र जाप, प्राणायाम और Counselling की मदद से राहू के साथ अपनी जीवन वृत्ति को नियंत्रित कीजिये|

शुभस्थ राहू
शुभस्थ राहू तर्क, रूचि और खोज के कारक बन व्यक्ति को अनुसन्धान में लगाते हैं| किताबो के परे ज्ञान की एक प्रैक्टिकल दुनिया में कामयाबी का कारक बन जाते हैं|

पापस्थ राहू
संदेह, शरारत और खुराफात (Shortcut) की तलाश में व्यक्ति अपराध और मुसीबतों के दलदल में फंसता चला जाता है| रिश्तो, व्यवसाय, धन और सेहत सभी से हाथ धो बैठता है|

आशीष तिवारी

7000768341

मतदान समाप्त होते ही पेंडिंग मामले निपटाने में जुटी पुलिस

- अब चेन स्नेचर, यात्री वाहनों में सक्रिय जेबकट रहेंगे पुलिस के टारगेट पर

ग्वालियर। पिछले डेढ़ माह से लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी पुलिस ने मतदान निपटते ही थानों में पेंडिंग पड़े मामलों की फाइलें टटोलना शुरू कर दी हैं। जिससे पेंडेंसी ज्यादा ना हो और उन पर लोड ना बढ़े। वहीं पुलिस अधिकारियों ने भी अब पुराने मामलों की फाइलें मंगाना शुरू कर दी हैं, क्योंकि मतगणना में अभी 27 दिन का समय है और इस बीच पुलिस अधिकारी पुराने मामले निपटाने का प्रयास करेंगे।

सात मई मंगलवार को मतदान समाप्त होने के बाद अब पुलिस पुराने मामले टटोलने के साथ ही चुनावी रंजिश पर होने वाली मारपीट तथा अन्य घटनाओं को रोकने की तैयारी में लग गई है। डेढ़ माह की चुनावी भाग दौड़ और कार्रवाई में व्यस्त रही पुलिस ने बुधवार को थानों में पहुंचते ही पुराने पेंडिंग मामलों के साथ ही हाल ही में आए आवेदनों की फाइल की धूल हटाने के बाद उन पर कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। जिससे मतगणना में मिले 27 दिन के गेप में जो मामले फाइनल टच पर हैं, उनकी पड़ताल पूरी कर न्यायालय में डायरी लगाकर आगे अन्य मामलों की जांच की जाए। हाल ही में चुनाव में लगी पुलिस को चेन स्नेचर चुनौती देकर आधा दर्जन वारदातों को अंजाम दे गए, साथ ही महिला चोरों ने भी सवारी वाहनों में वारदातों को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती देकर पुलिस के पसीने छुड़ा दिये थे। अब पुलिस के टॉप टारगेट पर चेन स्नेचर गिरोह हैं, इनको पकडने के लिए पांच टीमें बनाई गई है, जिसमें पड़ाव थाना प्रभारी, बहोड़ापुर, पुरानी छावनी के साथ ही क्राइम ब्रांच और विश्वविद्यालय थाने की टीम लगाई गई है। इसी तरह ऑटो और टेम्पो में वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह की तलाश में जिन थाना क्षेत्रों में वारदातें हुई हैं, वह सभी मिलकर कार्रवाई करेंगे।

पुलिस अफसरों की मानें तो चुनावी रंजिश के चलते यह सप्ताह सबसे अहम हैं। क्योंकि पूर्व में भी मतदान के एक सप्ताह बाद तक ही कुछ विवाद की घटनाएं हुई थीं। चुनाव में हुई रंजिश के बाद हल्की झड़प की जानकारी पुलिस अफसरों के पास है और जिनके बीच झड़प हुई है उनकी निगरानी पुलिस द्वारा की जा रही है, जिससे उनका विवाद किसी घटना को अंजाम ना दे दे। साथ ही उनके समर्थकों की भी जानकारी पुलिस अफसरों ने जुटा ली है। मतदान कराने के बाद लौटकर आए पुलिस जवान और अफसर आज चुनावी चर्चाओं में व्यस्त रहे और अपने मतदान के अनुभव साथियों के साथ साझा करते नजर आए।

3 दिन से लगातार अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर, लोग गर्मी से बेहाल

- हर रोज टूट रहा है रिकॉर्ड, दिन के साथ-साथ रात भी सर्वाधिक गर्म

ग्वालियर। ग्वालियर में पहली बार गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है क्योंकि 3 दिन से लगातार अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर दर्ज हो रहा है बुधवार को रिकॉर्ड तोड़ते हुए पहली बार अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ यह सामान्य से 1.02 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया ।इसी तरह रात का पारा भी बुधवार को पहली बार 28. 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है ।यह भी सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। ग्वालियर ही नहीं पूरे अंचल में राजस्थान की ओर से आ रहे हैं गर्म हवाओं की वजह से अचानक

जुलूस आने वाली हवाएं झुलसने वाली हवाएं प्रतीत हो रही हैं वही सूरज दादा के आगमन के साथ ही सूरज की तेज किरने तापमान को ऊपर उठाने में मददगार साबित हो रही हैं। हाल है कि दोपहर होने से पहले ही गर्मी असहनीय हो जाती है और पर 40 डिग्री के आसपास पहुंच जाता है बुधवार को दिन का तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया उल्लेखनीय कि बीते दिन मंगलवार को दिन का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था यह सामान्य से 1.01 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ था जबकि बुधवार को जीरो दास एक अंक बढ़कर 42.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक दशमला दो डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ। इसी तरह बीते दिन मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जबकि बुधवार को 2.01 अंक बढ़कर न्यूनतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ यह भी सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस बुधवार को सुबह की आद्रता 54ः तथा शाम की आद्रता 31ः दर्ज की गई।

मौसम कार्यालय प्रभारी हुकुम सिंह ने बताया कि अभी भी पश्चिमी बीच के प्रभाव से हवाएं और बादलों का प्रभाव देखने को मिल रहा है इसके साथ ही आगामी 9 में को एक और पश्चिमी विकशॉप का सिस्टम कुछ आशिक प्रभाव दिखाएगा तब तक

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का असर यूं ही बना रहेगा फिलहाल दिन का तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है यह इस सीजन का सबसे गर्म दिन है इससे पहले अधिक तापमान मंगलवार को दर्ज किया गया था लगातार 3 दिन से दिन का तापमान 42 डिग्री से ऊपर बना हुआ है इसके साथ ही बुधवार को न्यूनतम तापमान भी 28.3 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया है यह भी इस सीजन का सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो आज गुरुवार को दिन के तापमान में आशिक और उछल सकता है लेकिन इसके बाद फिर से दिन का तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

मतदान के बाद कयासों का दौर, प्रत्याशियों ने उतारी थकान

ग्वालियर। ग्वालियर अंचल में मतदान संपन्न होने के बाद अब कयासों का दौर चलने लगा है। कांग्रेस, भाजपा के समर्थक जहां अपने-अपने प्रत्याशी की जीत होने का दावा कर रहे है। वहीं आमजन भी चुनाव परिणाम को लेकर अपनी बात कह रहे है। इधर चुनाव संपन्न होने के बाद अब प्रत्याशियों ने अपनी थकान उतारी। उन्होंने दिनभर अपने आवासों पर आमजन व कार्यकर्ताओं से मेल मुलाकात कर मतदान के बाद के रूझानों की जानकारी भी ली।

चुनाव संपन्न होने के बाद प्रत्याशियों ने बुधवार को आराम कर चुनाव की थकान उतारी। वहीं, कुछ ने परिजनों और बच्चों के साथ समय भी गुजारा। चुनाव प्रचार की आपाधापी में मैदान में उतरे प्रत्याशियों का तीन सप्ताह का समय सरगर्मी और कड़ी भागदौड़ के बीच गुजरा। सभी प्रत्याशियों की मंशा रही कि वे प्रत्येक दर पर जाकर संपर्क करे। जिस कारण सभी प्रत्याशियों के दिन की शुरुआत सूर्य निकलने से पूर्व ही शुरू हो जाती थी तथा आधी रात को खत्म होती थी। मतदान संपन्न होने के बाद बुधवार का दिन सभी प्रत्याशियों के लिए सुकून भरा रहा। भाजपा प्रत्याशी का कहना है कि वह चुनाव प्रचार के दौरान सुबह पांच से देर रात समर्थकों, कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार में व्यस्त रहते थे। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान सुबह ही घर से निकल जाते थे। पूरा दिन जनसंपर्क में गुजरता था। बुधवार को सुकून महसूस किया। आज भी आमजनों व कार्यकर्ताओं ने उनके पास पहुंचकर मतदान बाद के रूझानों पर चर्चा की।

लोकसभा चुनाव में मतदान होने के बाद अब प्रत्याशी कमरों में बैठकर जीत-हार का जोड़-बाकी कर रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ हार-जीत का आंकलन किया। अब किसके दावे में कितना दम है यह 4 जून को मतगणना होने पर ही पता चलेगा।

ग्वालियर में लगभग 62.13 प्रतिशत मतदान

ग्वालियर। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में सांसद चुनने के लिए मंगलवार को हुए मतदान में कुल 21 लाख 54 हजार 601 मतदाताओं में से 13 लाख 38 हजार 708 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस प्रकार ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में लगभग 62.13 प्रतिशत मतदाताओं ने ई.वी.एम. मशीन में बटन दबाकर अपनी पंसद के लोकसभा सदस्य चुनने के लिए मत दर्ज कराये। ग्वालियर जिले का मतदान प्रतिशत लगभग 61.25 रहा है।

ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत ग्वालियर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र डबरा में रहा। यहाँ 66.60 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। सबसे कम मतदान प्रतिशत विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व में रहा। यहां 55.14 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। ज्ञात हो ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में ग्वालियर जिले की सभी 6 विधानसभा क्षेत्र (ग्वालियर ग्रामीण, ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व, ग्वालियर दक्षिण, भितरवार व डबरा) तथा शिवपुरी जिले के करैरा व पोहरी विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में कुल 13 लाख 38

हजार 708 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है, इनमें 7 लाख 34 हजार 814 पुरुष मतदाता, 6 लाख 3 हजार 873 महिला मतदाता एवं 21 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले के विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण के अंतर्गत 2 लाख 55 हजार 308 मतदाताओं में से एक लाख 65 हजार 178 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर के अंतर्गत 3 लाख 3 हजार 236 मतदाताओं में से एक लाख 78 हजार 130, विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व में 3 लाख 27 हजार 973 मतदाताओं में से एक लाख 80 हजार 860 मतदाताओं ने वोट डाले। विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर दक्षिण के अंतर्गत 2 लाख 61 हजार 472 मतदाताओं में से एक लाख 62 हजार 809, विधानसभा क्षेत्र भितरवार में 2 लाख 47 हजार 826 मतदाताओं में से एक लाख 54 हजार 835 एवं विधानसभा क्षेत्र डबरा (अजा) के अंतर्गत 2 लाख 44 हजार 729 मतदाताओं में से एक लाख 62 हजार 980 मतदाताओ ने वोट डाले। जिले के कुल मतदाताओं में 55 अन्य (थर्ड जेण्डर) मतदाता शामिल हैं। इनमें से 18 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में शामिल शिवपुरी जिले के करैरा (अजा) विधानसभा क्षेत्र के 2 लाख 67 हजार 661 मतदाताओं में से एक लाख 77 हजार 325 मतदाताओं ने वोट डाले। इसी तरह पोहरी विधानसभा क्षेत्र के 2 लाख 46 हजार 396 मतदाताओं में से एक लाख 56 हजार 591 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इन दोनों विधानसभा क्षेत्र के 9 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 3 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने वोट डाले।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन 20 से ग्वालियर में

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवैश्य परिचय सम्मेलन द्वारा 113वां आयोजन 20, 21 एवं 22 मई को तोरण वाटिका में किया गया है। परिचय सम्मेलन में अग्रवैश्य बन्धुओं ने अपने विवाह योग्य बेटे बेटियों के पंजीयन कराये हैं। परिचय सम्मेलन द्वारा 100 शहरों में अब तक युवक युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से सैकड़ों रिश्ते किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि चंबल संभाग के मुरैना, अम्बाह, पोरसा, जौरा, सबलगढ़, कैलारस, विजयपुर और भिंड, गोहद, दतिया, डबरा सहित अनेकों तहसीलों में समाजबंधुओं के युवक युवतियों के पंजीयन के लिए बैठक भी की जा रही है। ग्वालियर के अग्रबंधु 12 मई तक पंजीयन करा सकेंगे। सम्मेलन को सफल बनाने की मुकेश सिंघल, अनिल गर्ग, महेंद्र अग्रवाल, श्रीमती मंजु गुप्ता भोपाल, रेनू अग्रवाल पन्ना, गायत्री अग्रवाल होशंगाबाद, रचना लोहिया, नूतन गोयल गोहद, ममता अग्रवाल कैलारस, रेनू अग्रवाल शिवपुरी, शारदा मित्तल, उषा सिंघल जौरा, अनिता अग्रवाल भिंड, गीता अग्रवाल दतिया ने की हैं।

शराब के नशे में नशेड़ी ने पुलिस को किया चकरघिन्नी

ग्वालियर। चलती बस में गैंगरेप की सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और बस का पांच किलोमीटर पीछा कर पकड़ लिया। पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि सूचना झूठी है और एक शराबी ने कॉल कर पूरी पुलिस को हिलाकर रख दिया। घटना गोला का मंदिर से बरेठा टोल के बीच में बुधवार की तड़के करीब पौने पांच बजे की है। दो घंटे की जांच के बाद मामले का खुलासा हुआ कि युवक ने बस की सवारियों को सबक सिखाने के लिए झूठी सूचना दी है। पुलिस ने शराबी को निगरानी में लेकर बस को रवाना किया है।

बुधवार की तड़के करीब पौने पांच बजे एक कॉल पुलिस कंट्रोल रूम को मिला और कॉल करने वाले ने बताया कि गुजरात से भिण्ड जा रही बस में एक युवती से दो युवक गैंगरेप की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और बस में घटना की जांच और कार्रवाई के लिए डीएसपी महिला सेल किरण अहिरवार, टीआई गोला का मंदिर राजकुमार शर्मा और मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय सहित पुलिस बल गोला का मंदिर चौराहे पर पहुंचा तो पता चला कि बस कुछ ही देर पहले यहां से भिण्ड के लिए निकली है।

इसका पता चलते ही महराजपुरा थाना पुलिस को बस को रोकने के लिए निर्देश दिए और पुलिस अधिकारियों ने स्वयं भी पीछा किया। करीब पांच किलोमीटर पीछा करने के बाद पुलिस ने बरेठा टोल पर बस को रोक लिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने चालक-क्लीनर सहित बस में सचार प्रत्येक सवारी से बात की, जिसके बाद पुलिस को लगा कि कॉल कर सूचना देने वाले ने गलत सूचना दी। इसका पता चलते ही कॉल करने वाले की तलाश की और उसे पकड़कर लाया गया तो उसने बताया कि उसका फोन एक युवक ने लिया था और बात की थी। इसका पता चलते ही युवक की तलाश की तो वह बस स्टैण्ड पर मिला और उसे पकड़ कर लाया गया तो पता चला कि उसने बदला लेने के लिए सूचना दी थी। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

बताया गया है कि कॉल करने वाला जितेन्द्र पुत्र महेश कुमार है और वह गुजरात में प्राइवेट जॉब करता है। बीते रोज वह ग्वालियर आने के लिए बस क्रमांक एमपी 07 जेडपी 4227 में सवार हुआ था। बस में सवार होने से पहले ही उसने ड्रिंक करना शुरू कर दिया था और रात बारह बजे उसे अपनी गर्लफ्रेंड की याद आई तो वह बस में उसे तलाशने लगा और लोगों को परेशान कर रहा था, इस पर सीट नंबर तीन पर सवार दो युवकों ने उसकी पिटाई कर दी और इससे वह नाराज हो गया और जैसे ही बस एजी ऑफिस पुल पर पहुंची, वह बस से उतर गया और वहां से निकल रहे नरेन्द्र नामक युवक का मोबाइल लेकर पुलिस को फर्जी सूचना दे दी। डीएसपी महिला सेल किरण अहिरवार का कहना है कि एक युवक ने चलती बस में युवती से गैंगरेप की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही गोला का मंदिर थाना प्रभारी, मुरार थाना प्रभारी के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की तो सूचना गलत पाई गई। झूठी सूचना देने वाले को निगरनी में लेकर उसका मेडिकल कराकर उसके खिलाफकार्रवाई की जा रही है।

थ्री लेयर सुरक्षा में रहेगा स्ट्रांग रूम

ग्वालियर। जिले में हुए लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद अब सुरक्षा के बीच ईवीएम मशीनें एमएलबी कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम में लॉक कर दी गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम परिसर में चप्पे-चप्पे पर जवान तैनात किए गए हैं, साथ ही सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्ट्रांग रूम की निगरानी की जा रही है। वहीं कांग्रेस व भाजपा नेताओं ने भी निगरानी के लिए स्ट्रांग रूम के बाहर डेरा जमा लिया है।

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गया है और इसके बाद मतदान दलों ने देर रात तक मशीनें एमएलबी कॉलेज में जमा कराई। स्ट्रांग रूम में लॉक की गई ईवीएम मशीनें अब चार जून को मतगणना के दिन बाहर निकाली जाएंगी। ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवान लगाए गए हैं, जिससे गड़बड़ी की संभावना ना रहे। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में एक एएसपी, एक सीएसपी के साथ ही तीन निरीक्षक व करीब अस्सी जवान लगाए गए हैं। जिसमें स्ट्रांग रूम के बाहर बीएसएफ उसके बाद एसएएफ और बाहरी सुरक्षा के लिए जिला

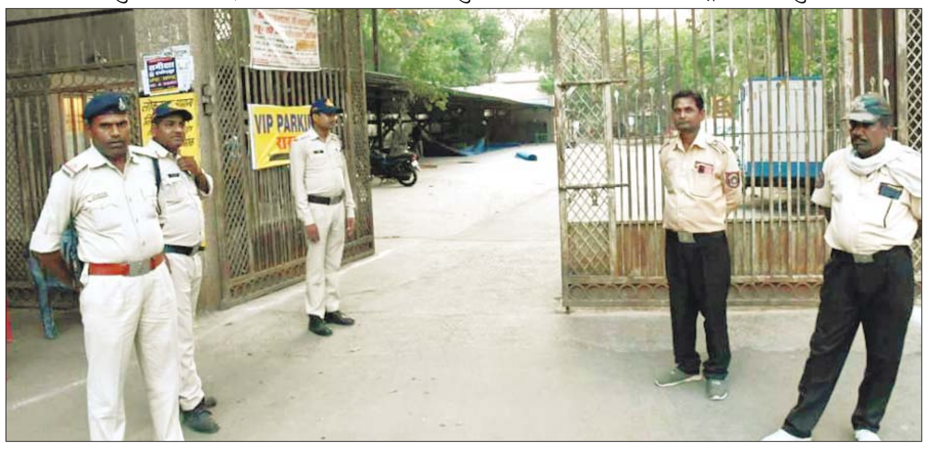

पुलिस के जवान लगाए गए हैं। जो राउंड द क्लॉक तैनात रहकर सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। इसके साथ ही स्ट्रांग रूम के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जो बगैर पलक झपकाए निगरानी करेंगे।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी तरह की चूक ना हो इसके लिए पुलिस और प्रशासन की अलग-अलग टीमें तैयार की गई हैं, जो लगातार मॉनीटरिंग कर चुनाव आयोग को इसकी रोजाना की रिपोर्ट करेंगे, जिससे किसी तरह के आरोप-प्रत्यारोप ना लगने पाए।

स्ट्रांग रूम में बंद ईवीएम मशीन के पास तक जाने की किसी को भी अनुमति नहीं है और मॉनीटरिंग कर रहे अफसर भी बाहरी क्षेत्र तक जा सकेंगे, साथ ही पुलिस जवानों के पास तक सिर्फ प्रत्याशी और अफसरों को जाने की अनुमति है। एएसपी व प्रभारी स्ट्रांग रूम सुरक्षा अखिलेश रैनवाल का कहना है कि ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए थ्री लेयर सुरक्षा घेरा बनाया है, जिसमें बीएसएफ एसएएफके साथ ही जिला पुलिस तैनात की है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगे जवान व अफसर राउंड द क्लॉक सुरक्षा ड्यूटी करेंगे।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर सराहनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान किया गया

ग्वालियर। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण सिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष क्रीड़ा भारती दीपक सचेती ने बताया कि रेडक्रॉस संस्था स्थापना कल से मानवता हेतु सेवा के काम कर रही है। संस्था आपातकाल में पीड़ित मानव की सेवा करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत आईएएस आरके जैन ने कहा कि हम सबको मानवता हेतु छोटे छोटे प्रयास करना चाहिए। मुख्य वक्ता डॉ सेवानिवृत अधीक्षक ज्यारोग्य समूह अशोक मिश्रा ने रेडक्रॉस के कार्यों की सराहना की। रेडक्रॉस सोसाइटी का वार्षिक प्रतिवेदन सोसाइटी के सचिव नवल किशोर शुक्ला ने रखा। कार्यक्रम में वर्षभर में रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली संस्थाओं एवं रक्तदान के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान किया। सम्मानित की जाने वाली संस्थाओं मे विशेष रूप से फूड फॉर नीडी संस्था, जेके टायर प्लांट, टैवा फैक्ट्री, ठा. मथुरा सिंह स्मृति ट्रस्ट लहार, पूर्णिमा अग्रवाल, एमआईटीएस कॉलेज, जेसीआई जोन 6 म.प्र., प्रवीण भारद्वाज, श्रीमती बबिता सेंगर, जय सचेती, गजेंद्र जैन शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन रेड क्रॉस सोसाइटी के डायरेक्टर प्रवीण भारद्वाजएवं आभार अमर सिंह माहौर ने किया।

किशोर की संदिग्ध मौत, खाई थी दवा

ग्वलियर। एक किशोर ने आम पकाने वाली दवा खा ली। जब उसकी हालत बिगड़ी तो परिजन मौके पर पहुंचे और किशोर को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना मुरार थाना क्षेत्र के मछली मण्डी की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर मृतक का शव पीएम हाउस पहुंचा दिया। फिलहाल पता नहीं चला है कि उसने गलती से दवा खाई या फिर जान देने के लिए यह कदम उठाया है।

मुरार थाना क्षेत्र के खटीक मौहल्ला निवासी सत्रह वर्षीय किशोर अमित पुत्र अरविन्द सिंह बीते रोज घर से खाना खाने जाने की बोलकर गया था। रात करीब साढ़े 11 बजे हरि किशोर राठौर ने अमित के भाई आयूष को कॉल कर बताया कि उसकी तबियत ज्यादा खराब है और वह उल्टियां कर रहा है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और परिजनों की मदद से उसे उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर मृतक का शव पीएम हाउस भेज दिया। पुलिस पड़ताल में पता चला है कि अमित ने आम पकाने वाली दवा गटकी थी, जिससे उसकी हालत बिगड़ी और मौत हो गई। अब पुलिस पता लगा रही है कि उसने सुसाइड करने के लिए दवा गटकी या फिर गलती से दवा खाई है।

पुरानी रंजिश पर युवक के साथ मारपीट

ग्वालियर। पुरनी रंजिश का बदला लेने के लिए एक बदमाश ने युवक की बेरहमी से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी। घटना मुरार थाना क्षेत्र के घासमण्डी मुरार की है। घटना का शिकार पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीडित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

मुरार थाना क्षेत्र के घासमण्डी निवासी धर्मेन्द्र सिंह का पुराना विवाद पास ही रहने वाले आनंद कुमार से चल रहा था। बीते रोज धर्मेन्द्र किसी काम से जा रहा था तो उसका रास्ता आनंद ने रोका और उसकी बेरहमी से लाठी-डंडे से मारपीट कर दी। किसी तरह खुद को बचाकर पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की।

जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

ग्वालियर। पत्नी से झगड़े के बाद पुलिस जवान ने पिस्टल से खुद को गोली मार कर जान दे दी। घटना मुरैना कोतवाली स्थित सरकारी क्वॉर्टर की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

हजीरा निवासी विक्रम परमार पुलिस जवान है और अभी मुरैना डीएसपी हैडक्वॉर्टर कार्यालय में पदस्थ है। यहां पर वह पत्नी लता के साथ कोतवाली परिसर स्थित सरकारी आवास में रह रहा है। उसके माता-पिता ग्वालियर रहते है। बीती रात किसी बात पर उसका पत्नी से विवाद हुआ और कुछ देर बाद उसके क्वॉर्टर से गोली चलने की आवाज और पत्नी की चींख सुनाई दी। जिसे सुनकर आस-पास रहने वाले अन्य कर्मचारी वहां पर पहुंचे तो पता चला कि विक्रम की मौत हो चुकी है। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

पुलिस पड़ताल में पता चला है कि मृतक विक्रम शराब पीने का आदी था और दस दिन पहले उसका एक्सीडेंट हुआ था और वह सिक पर चल रहा था। बीती रात भी वह शराब के नशे में आया था। उसके बाद उसका पत्नी से विवाद हुआ था और उसके कुछ देर बार उसके क्वॉर्टर से गोली की आवाज आई। जिस पिस्टल से विवेक ने गोली मारी वह लायसेंसी है या अवैध अब पुलिस इसका पता लगाने में जुट गई है। घटना के बाद पति की मौत का पता चलते ही उसकी पत्नी लता की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। वहीं बेटे की मौत का पता चलते ही परिजन मुरैना के लिए रवाना हो गए है।

नेशनल लोक अदालत 11 मई को

ग्वालियर । सम्पत्तिकर एवं जलकर के लंबित प्रकरणों में वसूली के लिए एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए 11 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

निगमायुक्त हर्ष सिंह ने बताया कि माननीय सदस्य सचिव मप्र राज्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला न्यायालय ग्वालियर के आदेशानुसार लोक अदालत का आयोजन नगर निगम के समस्त क्षेत्रीय ध्वार्ड कार्यालय क्रमांक 1 लगायत 25 एवं जिला न्यायालय परिसर में किया जाएगा। निगमायुक्त ने बताया कि शहर के नागरिकों के सम्पत्तिकर के लंबित वसूली प्रकरणों के निराकरण के लिए आयोजित लोक अदालत में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी। ऐसे प्रकरण जिनमें 50 हजार से 1 लाख तक की राशि बकाया है, उनके अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट एवं 1 लाख रुपए से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

इसके साथ ही जल उपभोक्ता प्रभार, जलकर के ऐसे प्रकरण जिन पर कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी। ऐसे प्रकरण जिनमें 10 हजार से 50 हजार तक की राशि बकाया है, उनके अधिभार में 75 प्रतिशत की छूट एवं 50 हजार रुपए से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट केवल एक बार में ही दी जाएगी।

संपादकीय

परदेशी शिक्षा की राह में बाधा

आस्ट्रेलिया ने अब अपनी वीजा नीति में कुछ ऐसे सख्त मानदंड तय किए हैं, जिससे पढ़ाई के मकसद से वहां जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों के सामने एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। हर वर्ष भारत से लाखों विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन आदि देशों में जाते हैं। कुछ समय पहले तक उन देशों में विदेशी छात्रों के लिए नियम-कायदों में ज्यादा सख्ती नहीं थी, इसलिए वहां जाने को लेकर एक आकर्षण रहा। मगर पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर बदले कूटनीतिक समीकरण और पढ़ाई, रोजगार तथा अन्य वजहों से दूसरे देशों में ठौर खोजने वालों की बढ़ती भीड़ ने जो नई परिस्थिति पैदा की, उसमें उच्च शिक्षा का आकर्षण माने जाने वाले कुछ देशों ने अपने यहां वीजा नियमों में तेजी से तब्दीली की है। नतीजतन, अब उन देशों में जाकर पढ़ाई करने का सपना पालने वाले युवाओं और उनके परिवारों के लिए हालात सहज नहीं रहने वाले हैं। दरअसल, आस्ट्रेलिया ने अब अपनी वीजा नीति में कुछ ऐसे सख्त मानदंड तय किए हैं, जिससे पढ़ाई के मकसद से वहां जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों के सामने एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। नई नीति का असर ऐसे विद्यार्थियों पर भी पड़ने वाला है, जो वहां केवल अच्छी शिक्षा के लिए जाना चाहते हैं।

दरअसल, आस्ट्रेलिया अपने वीजा नियमों को इसलिए सख्त बना रहा है कि वहां जाने वाले कई विदेशी युवा किसी शिक्षण संस्थान में दाखिला लेने के बाद वहीं कोई नौकरी भी शुरू कर देते हैं। इसे पढ़ाई के नाम पर नौकरी के लिए पिछले दरवाजे से प्रवेश के तौर पर देखा गया। इस तरह वहां जाने वालों की संख्या में जब ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई तो आस्ट्रेलिया ने वार्षिक प्रवासन की संख्या घटा कर आधा कर दिया। इस वजह से दिसंबर 2022 के बाद एक वर्ष में भारतीय विद्यार्थियों को दिए जाने वाले वीजा में अड़तालीस फीसद की गिरावट देखी गई। यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है, जिसका नुकसान ऐसे भारतीय युवाओं के भविष्य पर भी पड़ेगा, जो आस्ट्रेलिया के किसी अच्छे शिक्षण संस्थान में दाखिला लेना चाहते हैं। निश्चित तौर पर यह निराशाजनक है, मगर इसके समांतर यह भी तथ्य है कि क्या भारत में शिक्षा का स्तर आस्ट्रेलिया या कनाडा जैसे देशों के बराबर नहीं हो सकता, ताकि हमारे विद्यार्थियों को किसी अन्य देश में जाने की नौबत ही न आए!

अनुसरणः चीन की शह पर नेपाली दुस्साहस

अकारण नहीं है मुद्रा पर विवादित नक्शे का अक्स

सुगौली संधि के अनुसार, काली नदी को दोनों देशों के बीच सीमा के रूप में स्वीकार किया गया था, लेकिन नेपाल लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी पर अपना स्वामित्व जताता रहा, जिसका जमीनी हकीकत से कोई वास्ता नहीं है। वर्ष 1816 से 2024 के बीच कई तरह के नक्शे प्रकाशित किए, जिसने सीमा के मुद्दे को और जटिल बना दिया। दोनों देशों की सरकारों द्वारा गठित सीमा आयोगों के नतीजों से वांछित परिणाम नहीं मिले हैं। अब नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार ने अपनी मुद्रा पर नेपाल का एक नया नक्शा प्रकाशित किया है, जिसमें लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे भारतीय क्षेत्र को नेपाल के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है, जिससे सदियों पुराने रिश्ते खतरे में पड़ गए हैं, क्योंकि इस तरह के गैर-राजनयिक कदम से भविष्य में खुला टकराव हो सकता है।

नेपाल में प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार द्वारा, जिसमें चीन समर्थक एवं भारत विरोधी पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री केपीएस ओली प्रमुख भागीदार हैं, हाल ही में सौ रुपये की नेपाली मुद्रा पर विवादित नक्शा छापने से यही संकेत मिलता है कि मालदीव के बाद अब नेपाल भी चीन का अनुसरण कर रहा है। दो दिसंबर, 1815 को ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच सुगौली संधि पर हस्ताक्षर किया गया था और बाद में चार मार्च, 1816 को इसकी पुष्टि की गई थी, जिसने हिमालय साम्राज्य और औपनिवेशिक भारत के बीच सीमा रेखा स्थापित की। सुगौली संधि के अनुसार, काली नदी को दोनों देशों के बीच सीमा के रूप में स्वीकार किया गया था, लेकिन नेपाल लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी पर अपना स्वामित्व जताता रहा, जिसका जमीनी हकीकत से कोई वास्ता नहीं है। वर्ष 1816 से 2024 के बीच कई तरह के नक्शे प्रकाशित किए, जिसने सीमा के मुद्दे को और जटिल बना दिया। दोनों देशों की सरकारों द्वारा गठित सीमा आयोगों के नतीजों से वांछित परिणाम नहीं मिले हैं। अब नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार ने अपनी मुद्रा पर नेपाल का एक नया नक्शा प्रकाशित किया है, जिसमें लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे भारतीय क्षेत्र को नेपाल के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है, जिससे सदियों पुराने रिश्ते खतरे में पड़ गए हैं, क्योंकि इस तरह के गैर-राजनयिक कदम से भविष्य में खुला टकराव हो सकता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के साथ संबंधों को मजबूत करने का काफी प्रयास किया है और आधे दर्जन से अधिक बार नेपाल का दौरा किया, जिसमें 2022 में लुंबिनी की यात्रा भी शामिल है, जब उन्होंने भिक्षुओं, बौद्ध विद्वानों और गणमान्य लोगों की सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि बुद्ध की प्रासंगिकता किसी भौगोलिक सीमा में सीमित नहीं है, बल्कि वह सबके हैं। उन्होंने भारत-नेपाल रिश्तों की तुलना पहाड़ों की ऊंचाई से करते हुए इसे प्रौद्योगिकी, विज्ञान और बुनियादी ढांचों के विकास तक विस्तार देने की प्राथमिकता जताई। लेकिन लगता है कि नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार इस रिश्ते को नष्ट करने पर तुली हुई है, जो कि हिमालयी साम्राज्य के लोगों के हितों के खिलाफ होगा। अब नई दिल्ली में आने वाली नई सरकार के लिए चीन समर्थक नेपाल से निपटने के लिए फिर से एक नई रणनीति तैयार करने की अग्निपरीक्षा होगी।

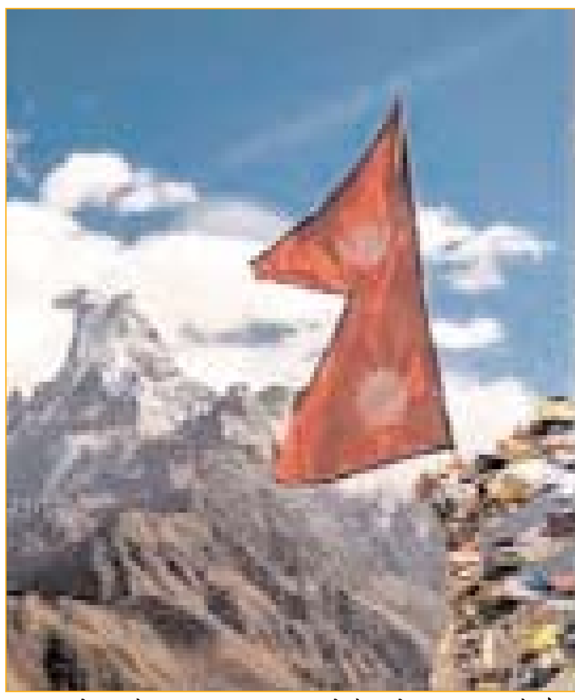

संभवतः नेपाल के साथ संबंध बनाए रखने के लिए भारत लचीला रुख अपना सकता है। कूटनीतिक विशेषज्ञ इस बात पर एकमत हैं कि नेपाल सरकार को चीन भारत पर दबाव बनाने के लिए उकसाता है, जिससे रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं और नेपाल में चीन को बढ़त मिल सकती है।

प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार, जिसमें चीन समर्थक एवं भारत विरोधी पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री केपीएस ओली प्रमुख भागीदार हैं, ने हाल ही में सौ रुपये की नेपाली मुद्रा छापने का आक्रामक फैसला किया, जिसमें नेपाली नक्शे में भारतीय क्षेत्रों को दर्शाया गया है। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट कर दिया कि नेपाल के इस कदम से जमीनी स्तर पर वास्तविकता नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि %हम स्थापित मंच के माध्यम से सीमा मुद्दों पर नेपाल से बातचीत कर रहे हैं। इस बीच नेपाल ने एकतरफा तौर पर अपनी तरफ से कुछ कदम उठाए हैं।% भारत पहले ही नेपाल की ऐसी कोशिशों को नकार चुका है। इसके विपरीत, नेपाल का दावा है कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारत ने तीन क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया, जो विवाद का विषय रहा है, क्योंकि यह वास्तविकता से बहुत दूर है और सुगौली संधि की भावना के खिलाफ है। नेपाल की मुद्रा पर नया नक्शा छापने के नेपाल सरकार के फैसले ने नई दिल्ली में कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। इससे पहले भी तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री ओली ने नया नक्शा तैयार कराया था, जिसमें भारत के इन क्षेत्रों को नेपाल में दिखाया गया था। इससे भारत नाराज हो गया था और इस शरारती कदम को सिरे से खारिज कर दिया था। ओली ने आठ मई, 2020 को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा उत्तराखंड के धारचूला से लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क के उद्घाटन पर भी आपत्ति जताई थी।

नेपाल ने भारत के नव उद्घाटित लिंक रोड पर भी असहमति जताई थी, जो लिपुलेख दर्रे से कैलाश मानसरोवर को जोड़ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि नई सरकार मुख्य रूप से प्रचंड के सीपीएन (माओवादी सेंटर) और सीपीएन-यूएमएल, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेतृत्व वाले %चीन समर्थक% वफादार गुटों का संयोजन है, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली करते हैं, एक घातक जोड़ी बनाता है।

यह कटु सच्चाई है कि ओली नेपाल की गठबंधन सरकार पर हावी हो रहे हैं, क्योंकि प्रचंड (32 सांसद) की तुलना में उनके पास 77 सांसदों का बहुमत है। प्रचंड और ओली कट्टर कम्युनिस्ट हैं, जो शायद भारत और चीन के साथ संतुलन बनाने में सहज महसूस नहीं कर रहे होंगे। यह एक स्थापित तथ्य है कि नेपाल नमक से लेकर पेट्रोलियम उत्पादों तक आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत पर पूरी तरह से निर्भर है। अगर नेपाल का झुकाव चीन की तरफ होता भी है, तो भौगोलिक रूप से उन वस्तुओं को चीन से आयात करना उसके लिए संभव नहीं है।

भारत ने 53.9 करोड़ डॉलर का निर्यात किया और फिर नेपाल से 6.21 करोड़ डॉलर का आयात किया, जिससे व्यापार संतुलन में 47.7 करोड़ डॉलर की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि व्यापार एवं उद्योग के आंकड़े बताते हैं कि नेपाल से आयात एवं निर्यात, दोनों में जनवरी, 2023 और जनवरी, 2024 के बीच कमी दर्ज की गई है। चीन ने हाल ही में मालदीव को अपने पक्ष में कर लिया है और अब नेपाल भी उसी का अनुसरण कर रहा है। यह भारतीय कूटनीति के लिए गंभीर चुनौती है, इसलिए भारत को मालदीव और नेपाल के साथ संयम और लचीलेपन से निपटना चाहिए और इस क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद पर अंकुश लगाने के लिए बातचीत को प्राथमिकता देनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल के कम्युनिस्ट भारत विरोधी प्रचार को ग्रामीण स्तर तक फैलाने में सफल हो गए हैं, जो कूटनीतिक रूप से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि यह नेपाल के लोगों के हितों के खिलाफ होगा।

दुनिया मेरे आगे : रिश्तों की डोर और जिंदगी का आनंद, भरोसा हो तो कुछ भी मुश्किल नहीं

रिश्ता कोई भी हो, लेकिन अगर निबाह सही है, तो जीवन में उलझनें भी बहुत कम होंगी। सब कुछ व्यवस्थित और आसानी से चलता रहेगा। पढ़ें शीला श्रीवास्तव के विचार। परिवार के रिश्ते हों या फिर सामाजिक स्तर पर विकसित हुए संबंध, हरेक का अपना महत्त्व है। कहते हैं कि रिश्ते हवा की तरह होते हैं और हमेशा आसपास मौजूद होकर सामाजिकता के विस्तार के साथ-साथ जीवन को सांसें देते रहते हैं। इनका सहारा न हो तो व्यक्ति के सामने कई बार भटकाव के हालात बनने लगते हैं। परदेस में कोई परिचित या अपने आसपास के इलाके से परिचित या वहीं का कोई व्यक्ति मिल जाए, तो बांछें खिल जाती हैं। एकाकीपन के बीच अगर कोई दिल के करीब आकर अपना बन कर या इसका अहसास देकर सिर पर हाथ रख दे, तो दुख के पलों में भी रोम-रोम में नई ऊर्जा भर जाती है। रिश्तों का जादू यही है। घर-परिवार और दोस्ती- इन सबके बीच ही जिंदगी का आनंद है।

रिश्ते नहीं होंगे तो जीवन में अकेलापन महसूस होता है। हालांकि एकांत के नाम पर अकेलेपन को महिमामंडित करने की कोशिश देखी जाती रही है। मगर एकाकी जीवन में उपजा खालीपन कई बार व्यक्ति को खोखला कर जाता है। 'परिवार' के रूप में विरासत में मिली संस्था रिश्तों की पहली पाठशाला होती है। माता-पिता, भाई-बहन निस्वार्थ भाव से जीवन भर एक दूसरे का साथ देते हैं। एक दूसरे का सम्मान करना, सेवा करना, सीमित संसाधन होने पर मिल-बांट कर जीवन जीना, एक दूसरे को प्रेरित करनाज यह सब हम परिवार से ही सीखते हैं। उदाहरण के तौर पर मां से ममता, त्याग, करुणा की सीख मिलती है, तो पिता अनुशासन और प्रबंधन के पाठ सिखाते हैं। बहन से सम्मान और अपनापन सीखते हैं, तो भाई से परवाह और जिम्मेदारी सीखते हैं। विवाह के बाद पति-पत्नी का संबंध भी विश्वास के सहारे चलता है। अगर परवरिश के दौरान अच्छी सीख मिलती है, तो जीवन में विद्रोह जैसी नौबत नहीं आती। यों विद्रोह का भाव तब पैदा होता है, जब व्यक्तित्व और अधिकार का हनन हो, उसे दबाया जाए और भावनाओं का दमन हो। परिवार का ढांचा ऐसा होता है कि वह ऐसी स्थिति पैदा होने से रोकता है और किसी के भीतर इस तरह का भाव आने पर उसे संभालता है। हम अकेलेपन को लेकर फिक्रमंद तो होते हैं, मगर उसके कारकों और उसके समाधान को लेकर शायद उतनी ही गहराई से नहीं ध्यान दे पाते। आभासी दुनिया में कोई हल तलाशने के बजाय अगर हम रिश्तों को अहमियत देंगे तो हमें अकेलापन महसूस नहीं होगा, रिश्ते चाहे परिवारिक हों या सामाजिक। अकेलापन इंसान को खोखला बना देता है। जिंदगी नीरस हो जाती है। अकेला इंसान कई तरह की व्याधियों का शिकार हो जाता है। इसमें अवसाद भी शामिल है और इसी अवसाद के दलदल में पहुंच कर कितने लोग मौत को गले लगा लेते हैं। इन परिस्थितियों

का सामना करने के लिए हमारे पास रिश्तों की विरासत है। इसे सींचकर ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सकता है। बच्चों में स्नेह और धैर्य के बीज अंकुरित करने की जरूरत है। माता-पिता, भाई-बहन, घर के बुजुर्गों, परिजनों और दूर के रिश्तेदारों का सम्मान करने और बच्चों को सिखाना चाहिए। रिश्ते चाहे प्राकृतिक हों या सामाजिक, इसको चलाने में प्रेम, सराहना, समय, सामंजस्य, सहयोग की दरकार होती है। नफे-नुकसान का आकलन करके रिश्ते बनाना या उस हिसाब से उन्हें निभाना अकेलेपन की ओर ले जाता है। सामाजिक रिश्ते भी बहुत कुछ सिखाते हैं। आस-पड़ोस और दफ्तर की दोस्ती से अक्सर कई परंपराएं, कलाएं, और हुनर का आदान-प्रादान होता है, तो कई परेशानियां जिन्हें हम किसी और के सामने जिक्र नहीं कर पाते, उन्हें दोस्तों से साझा कर लेते हैं। दोस्तों से कटकर व्यक्ति गलत कदम उठाने के बारे में सोचने लगता है। वहीं अगर वह किसी के करीब है, तो जीवन में ऐसी मौत नहीं आती। यह भी गौरतलब है कि रिश्तों में ईमानदार और उनकी कद्र करने वाले व्यक्ति के जीवन में स्पष्टता होती है। रिश्ता कोई भी हो, लेकिन अगर निबाह सही है, तो जीवन में उलझनें भी बहुत कम होंगी। सब कुछ व्यवस्थित और आसानी से चलता रहेगा। मुश्किल घड़ी में भी किसी बाहरी परामर्शदाता या सलाहकार की जरूरत ही नहीं होगी। परिजन ही सलाहकार की भूमिका में हमेशा मार्गदर्शन करते हैं। परिवारिक रिश्ते के साथ-साथ सामाजिक रिश्तों को निभाना भी जरूरी होता है। अपने दोस्तों और पड़ोसियों कभी रिश्ते खराब नहीं करने चाहिए। जरूरत पड़ने पर सबसे पहले यही काम आते हैं। दूर के रिश्तों का भी अपना महत्त्व है। इन सबकी कीमत जरूरत पड़ने पर पता चल ही जाती है। मगर रिश्तेदारियों के बीच यह अक्सर देखा जाता है कि नातेदारों में ज्यादातर लोग कई बार दुश्मनी की हद तक जाकर प्रतिद्वंद्विता निभाने लगते हैं। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति अकेला पड़ता है और उसे अपने रिश्तेदारों के बजाय आस-पड़ोस के समाज के अन्य लोगों का साथ मिलता है, तो इससे एक नए समाज और रिश्ते की बुनियाद पड़ती है। सहयोग का यह रिश्ता पारिवारिक रिश्तेदारियों से अलग और कई बार बेहद खूबसूरत होता है, जहां अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं।

दावानलः थमने के बजाय बढ़ रही जंगलों की आग

विशाल हिमालय के बीच स्थित उत्तराखंड, जिसे %देव भूमि% कहा जाता है, अपने में विविध वनस्पतियों और जीवों से भरपूर एक हरा-भरा स्वर्ग समेटे हुए है। बर्फ से ढकी चोटियां, घने जंगल और घाटियां, जिनमें उष्णकटिबंधीय वर्षा वन, शीतोष्ण वन और अल्पाइन घास के मैदान शामिल हैं, यहां की अनूठी विशेषता है। यहां ब्राह्मी, अश्वगंधा और कुथ सहित 1,748 से अधिक वनस्पति की प्रजातियां हैं। यह पक्षियों की 600 से अधिक प्रजातियों का घर है। उत्तराखंड जिम कॉर्बेट, राजाजी, नंदा देवी, फूलों की घाटी और गंगोत्री को अपने में समेटे है।

उत्तराखंड के अधिकांश हिस्से को कवर करने वाले देवदार जैसे शंकुधारी (कोनिफर) पेड़ों के प्रभुत्व के साथ स्प्रूस वन, पाइन, रोहडेनड्रोन के साथ यहां पाए जाने वाले पर्णपाती वनों में साल, सागौन और ओक जैसे चौड़ी पत्ती वाले पेड़ों का प्रभुत्व है। पीढ़ियों से जंगलों के ये विशाल क्षेत्र बेशकीमती रहे हैं, जो न केवल सैकड़ों प्रजातियों को घर प्रदान करते हैं (जिनमें सर्वाधिक खतरे में पड़ी कुछ प्रजातियां भी शामिल हैं), बल्कि वे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से ज्यादा उन्हें अवशोषित करते हैं, जो एक विशाल कार्बन सिंक के रूप में कार्य करती हैं। विशाल हिमालय के बीच स्थित उत्तराखंड, जिसे %देव भूमि% कहा जाता है, अपने में विविध वनस्पतियों और जीवों से भरपूर एक हरा-भरा स्वर्ग समेटे हुए है। बर्फ से ढकी चोटियां, घने जंगल और घाटियां, जिनमें उष्णकटिबंधीय वर्षा वन, शीतोष्ण वन और अल्पाइन घास के मैदान शामिल हैं, यहां की अनूठी विशेषता है। यहां ब्राह्मी, अश्वगंधा और कुथ सहित 1,748 से अधिक वनस्पति की प्रजातियां हैं। यह पक्षियों की 600 से अधिक प्रजातियों का घर है। उत्तराखंड जिम कॉर्बेट, राजाजी, नंदा देवी, फूलों की घाटी और गंगोत्री को अपने में समेटे है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से बढ़ रही गर्मी में उत्तराखंड के जंगल की आग असाधारण रूप से भयावह रही है, जो हर साल बढ़ती ही जा रही है। अभी हाल में उत्तराखंड में 1,145 हेक्टेयर से अधिक जंगलों को आग अपने आगोश में ले चुकी है। चिलचिलाती गर्मी के कारण जंगलों की आग बेकाबू हो रही है। जंगलों में लगी आग के कारण घाटी में धुआं फैलने से लोग खासे परेशान हैं। हर साल फरवरी-मार्च से जंगलों में आग की खबरें आना एक सामान्य घटना है। लेकिन उत्तराखंड के जंगलों के धधकने का सिलसिला थमने के बजाय बढ़ता जा रहा है। शुष्क मौसम के चलते जंगल की आग और विकराल होती जा रही है। टिहरी बांध प्रथम वन प्रभाग, नैनीताल वन प्रभाग, भूमि संरक्षण रानीखेत वन प्रभाग, अल्मोड़ा वन प्रभाग, सिविल सोयम अल्मोड़ा वन प्रभाग, तराई पूर्वी वन प्रभाग, रामनगर वन प्रभाग, मसूरी वन प्रभाग, लैंसडौन भूमि संरक्षण वन प्रभाग, सिविल सोयम पौड़ी वन प्रभाग, केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग आदि में जंगल धधक रहे हैं। उत्तरकाशी जिले की बाड़ाहाट रेंज से लेकर धरासू रेंज के जंगल अधिक जल रहे हैं। दरअसल जंगलों की आग धरती के गर्म होने की वजह से लंबे समय तक खिंचने लगी है। जंगलों में आग लगना असामान्य नहीं है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह भी है कि अब जंगलों में आग लगने की घटनाएं तब हो रही हैं, जब पहले नहीं हुआ करती थीं। जाहिर है कि इसका सीधा नाता बदलते मौसम, यानी जलवायु परिवर्तन से है। इस साल की शुरुआत में उत्तराखंड में सर्दियों में बारिश बहुत कम हुई। हर साल की तरह 50 मिली मीटर के बजाय इस वर्ष वर्षा का स्तर 10 मिमी के आस पास ही रहा, जोकि सामान्य से बहुत ज्यादा कम है। हिमालय में वैसे भी ग्लोबल वार्मिंग की दर सबसे ज्यादा है। मानसून की बारिश का अभाव वहां मौजूद वनस्पति को सूखा कर ज्वलनशील ईंधन में तब्दील करने के लिए पर्याप्त है। जाहिर है कि गर्मी बढ़ने से पेड़-पौधे ज्यादा सूख रहे हैं, धरती का पानी सूख रहा है, टूटे पत्ते जल्दी सूख रहे हैं और सूखे पत्ते भी आग लगने का सबब बनते हैं। तेज गर्मी के चलते पहाड़ों पर उगने वाले झाड़-झंखाड़ के सूख जाने से शुष्क ईंधन की उपलब्धता भी इन दिनों बढ़ गई है और यह आसानी से जल उठती है। एक वैज्ञानिक अनुमान के हिसाब से, इस गर्मी में जब आग की लपटों ने दुनिया के जंगलों के सबसे बड़े हिस्सों में से एक को निगल लिया, और बदले में 2.2 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में छोड़ दिया। उत्तराखंड के जंगलों की आग कार्बन उत्सर्जन बढ़ाकर संभवतः देश के वार्षिक कार्बन पदचिह्न को बढ़ा देगी, क्योंकि जलवायु प्रणाली %टिपिंग पॉइंट% पर पहुंच गई है। दुनिया भर में जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटनाएं यह सवाल उठा रही हैं कि कहीं कार्बन सिंक से कार्बन उत्सर्जन के स्रोत न बन जाएं हमारे जंगल। यह मुद्दा एक वैश्विक समस्या बन चुका है। वैज्ञानिकों ने इस बात के लिए भी चेताया कि आने वाले समय में स्थितियां और भी गंभीर हो सकती हैं।

चरमपंथी 'सिख फार जस्टिस' से आर्थिक सहयोग ने बढ़ाई मुश्किलें

यह सिफारिश एक व्यक्ति की सप्रमाण शिकायत पर की गई है। उस शिकायत में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल ने चरमपंथी संगठन 'सिख फार जस्टिस' के सदस्यों के साथ बैठक की थी, जिसमें तय हुआ था कि वे एक करोड़ साठ लाख डालर के बदले 1993 दिल्ली बम धमाकों के आरोपी देवेंदर पाल भुल्लर की रिहाई में मदद करेंगे। अरविंद केजरीवाल के सहयोगी रहे एक व्यक्ति ने दस वर्ष पहले इस बैठक की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की थी। उसी व्यक्ति की शिकायत पर उपराज्यपाल ने जांच की सिफारिश की है। अरविंद केजरीवाल पहले ही कथित शराब घोटाले में धनशोधन मामले में जेल हैं। उस गिरफ्तारी को सर्वोच्च न्यायालय में गैरकानूनी ठहराने की कानूनी जद्दोजहद चल रही है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल की तनातनी कोई नई नहीं है। कथित शराब घोटाले की जांच की सिफारिश भी उपराज्यपाल ने ही की थी, जिसके दायरे में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य कई लोग आए। अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नए मामले में फंसते नजर आ रहे हैं। उपराज्यपाल ने गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिख कर उनके खिलाफ खालिस्तान समर्थक चरमपंथी संगठन से पैसा लेने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजंसी से जांच कराने की सिफारिश की है। यह सिफारिश एक व्यक्ति की सप्रमाण शिकायत पर की गई है। उस शिकायत में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल ने चरमपंथी संगठन 'सिख फार जस्टिस' के सदस्यों के साथ बैठक की थी, जिसमें तय हुआ था कि वे एक करोड़ साठ लाख डालर के बदले 1993 दिल्ली बम धमाकों के आरोपी देवेंदर पाल भुल्लर की रिहाई में मदद करेंगे। अरविंद केजरीवाल के सहयोगी रहे एक व्यक्ति ने दस वर्ष पहले इस बैठक की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की थी। उसी व्यक्ति की शिकायत पर उपराज्यपाल ने जांच की सिफारिश की है। अरविंद केजरीवाल पहले ही कथित शराब घोटाले में धनशोधन मामले में जेल हैं। उस गिरफ्तारी को सर्वोच्च न्यायालय में गैरकानूनी ठहराने की कानूनी जद्दोजहद चल रही है। अगर राष्ट्रीय जांच एजंसी नए मामले की जांच शुरू करती है, तो केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि अभी तक उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। नए मामले में उपराज्यपाल की सिफारिश के बाद आम आदमी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया है। उसका कहना है कि मुख्यमंत्री के जेल में रहने से दिल्ली की व्यवस्था पहले ही चरमरा गई है। मगर उपराज्यपाल और केंद्र सरकार को इसकी चिंता नहीं है। वे उन्हें किसी न किसी तरह जेल में डाले रखना चाहते हैं। हालांकि सिख फार जस्टिस से पैसा लेने का आरोप केजरीवाल पर पहली बार नहीं लगा है। चार वर्ष पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव के वक्त भी यही आरोप लगा था। तब भाजपा ने खूब शोर मचाया था, मगर दिल्ली के लोगों ने उसको गंभीरता से नहीं लिया और आम आदमी पार्टी को प्रचंड बहुमत से जिताया था। फिर यही आरोप दो वर्ष पहले पंजाब विधानसभा चुनाव में भी लगा था। तब अरविंद केजरीवाल के करीबी रहे कुमार विश्वास ने यह आरोप लगाया था। मगर वहां भी इसका असर नहीं हुआ। विचित्र संयोग है कि इस बार जब यह मामला उठा है, तब लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं। इससे आम आदमी पार्टी को फिर यह कहने का मौका मिल गया है कि दरअसल, यह भाजपा का रचा सियासी फंदा है, जिसमें वह केजरीवाल को फंसाना चाहती है। मगर इस बार केवल जनता की अदालत में सफाई देने से काम नहीं चलेगा। एनआइए जांच में केजरीवाल अपने पक्ष में सबूत पेश करने होंगे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल की तनातनी कोई नई नहीं है। कथित शराब घोटाले की जांच की सिफारिश भी उपराज्यपाल ने ही की थी, जिसके दायरे में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य कई लोग आए। हालांकि संजय सिंह को जमानत मिल गई और अरविंद केजरीवाल को लेकर भी अदालत का रुख कुछ सकारात्मक ही नजर आ रहा है। ऐसे में पूछा जा रहा है कि उपराज्यपाल ने कहीं एक नया फंदा तो नहीं बनाया है। जो हो, अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी लगातार खुद को कट्टर ईमानदार और पारदर्शी बताते रहे हैं। इसलिए उन्हीं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी निर्दोषिता साबित करें। मगर उपराज्यपाल की पक्षधरता पर भी सवाल समाप्त नहीं हुए हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को सियासी रस्साकशी का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

सैमसन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर मैच फीस का 30त्न जुर्माना लगाया गया है। सैमसन पर यह फाइन मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है।

सैमसन को आचार संहिता के आर्टिकल 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया, जो अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से संबंधित है। उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली।

होप के विवादित कैच से आउट हुए सैमसन

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन शाई होप के बाउंड्री पर बेहतरीन कैच लेने के बाद आउट हुए। 16वें ओवर की चौथी बॉल मुकेश कुमार ने गुड लेंथ पर फेंकी, सैमसन ने लॉन्ग ऑन की दिशा में शॉट खेला। यहां होप ने कैच पकड़ा लेकिन इस दौरान पैर बाउंड्री के बेहद करीब नजर आया। थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा लेकिन कैच को क्लीन माना और सैमसन आउट करार दिए गए। कैच क्लीन करार दिए जाने के बाद सैमसन अंपायर से बहस करते नजर आए कि फील्डर का पैर बाउंड्री को छू रहा था। हालांकि अंपायर ने अपना फैसला कायम रखा और सैमसन को पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने 46 बॉल पर 86 रन बनाए।

दिल्ली ने राजस्थान को 28 रन से हराया

दिल्ली ने होमग्राउंड पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर

221 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। खलील अहमद, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए। आरआर से संजू सैमसन ने 46 बॉल पर 86 रन की पारी खेली। रियान पराग ने 27 और शिवम दुबे ने 25 रन बनाए।

डीसी से ओपनर जैक फ्रेजर-मैगर्क (50 रन) और अभिषेक पोरेल (65 रन) ने अर्धशतक जमाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 41 रन बनाए। राजस्थान से रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट चटकाए। युजवेंद्र चहल, संदीप शर्मा और ट्रेंट बोल्ट को एक-एक विकेट मिला।

इंडियन प्रीमियर लीग में लीग स्टेज के 56 मैच खत्म हो चुके हैं। मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 20 रन से हराया। इस नतीजे से दिल्ली ने अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखा। दूसरी ओर राजस्थान के प्लेऑफ में पहुंचने का इंतजार बढ़ गया है।

आखिरी दो टी-20 मैचों के लिए बांग्लादेश टीम का हुआ एलान, शाकिव अल हसन की वापसी

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले आखिरी दो टी-20 इंटरनेशनल मैचों की लिए बांग्लादेश ने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। शाकिब अल हसन की लंबे समय बाद टीम में वापसी हुई है। वहीं, आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को भी जगह दी गई है। बांग्लादेश पहले ही पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है।

शाकिब अल हसन की हुई वापसी

शाकिब अल हसन की बांग्लादेश टीम में वापसी हुई है। शाकिब ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच जुलाई 2023 में खेला था। भारत की सरजमीं पर खेले गए विश्व कप में शाकिब को आंखों में परेशानी आई थी, जिसके चलते उनको आराम करने की सलाह दी गई थी। शाकिब न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ खेली गई सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। वहीं, जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली जा रही टी-20 सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में भी शाकिब को आराम दिया गया था।

मुस्ताफिजुर रहमान को मिली जगह

आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। मुस्ताफिजुर को पहले तीन टी-20 इंटरनेशनल मैचों के लिए आराम दिया गया था। इसके साथ ही सौम्य सरकार की भी टीम में वापसी हुई है। सरकार अपनी घुटने की इंजरी से पूरी तरह से रिकवर हो चुके हैं, जो उन्हें श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी थी।

पांच मैचों की टी-20 सीरीज में बांग्लादेश की टीम 3-0 से आगे चल रही है। पहले टी-20 मैच को बांग्लादेश ने 8 विकेट से अपने नाम किया था। वहीं, दूसरे मुकाबले में मेजबान टीम ने 6 विकेट से मैदान मारा था। तीसरे टी-20 में बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को 9 रन से पटखनी दी थी।

आखिरी दो टी-20 मैचों के लिए बांग्लादेश का स्क्वॉड

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), लिटन दास, तन्जीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदय, महमूदुल्लाह, जैकर अली, मेहंदी हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, तन्जीम हसन शकिब, सौम्य सरकार, तन्वीर इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनते देखना चाहते हैं सिराज

नई दिल्ली। मोहम्मद सिराज भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे हैं। उनके कंधों पर टीम की गेंदबाजी का भार है और आगे चलकर वह इसके अगुआ के रूप में देखे जा रहे हैं। सिराज ने बहुत कम समय में विश्व क्रिकेट में बड़ा मुकाम हासिल किया। लेकिन अभी भी उनका एक सपना पूरा नहीं हुआ है। सिराज इस सपने को पूरा करने के लिए सुबह उठकर बिना किसी नागा के एक खास काम करते हैं।

सिराज उस टीम इंडिया का हिस्सा थे जिसे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। सिराज के दिल में अभी भी इस बात का दुख है कि उस दिन टीम इंडिया फाइनल नहीं जीत पाई। सिराज अब इसकी भरपाई 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप जीतकर करना चाहते हैं। उनका सपना विश्व विजेता टीम इंडिया का हिस्सा बनना है।

सुबह करते हैं ये काम

सिराज ने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी आरसीबी के शो पर कॉमेडियन दानिश साइत से बात करते हुए बताया है कि वह टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनते देखना चाहते हैं और उस टीम का हिस्सा होना चाहते हैं। सिराज ने ये भी बताया कि वह इस सपने को पूरा करने के लिए मैनिफेस्ट करते हैं। सिराज ने कहा, ये आपका (होस्ट दानिश का) आशीर्वाद है कि मुझे टी20 वर्ल्ड कप के लिए जा रही टीम में जगह मिली है। ये हर खिलाड़ी का सपना होता है

कि वह अपने देश के लिए खेले, खासकर वर्ल्ड कप में। मैं हर सुबह उठता हूं और मैनिफेस्ट करता हूं कि मैं वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठा रहा हूं। ये मेरा लक्ष्य है।

सिराज पर बड़ी जिम्मेदारी

सिराज ने अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया है। अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में सिराज के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। भारत के लिए सिराज ने अभी तक 10 टी20 मैच खेले हैं और 12 विकेट अपने नाम किए हैं। आईपीएल-2024 में हालांकि सिराज का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। 10 मैचों में उन्होंने आरसीबी के लिए सिर्फ अभी तक आठ विकेट ही लिए हैं।

आईपीएल के बीच अब सिद्धार्थ कौल ने इंग्लैंड जाकर वहां खेलने का फैसला किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। लेकिन हर साल नीलामी में कई खिलाड़ियों का ये सपना टूट जाता है। आईपीएल 2024 की नीलामी में भी ऐसा ही हुआ। कई खिलाड़ियों को खरीददार नहीं मिला। उनमें से ही एक थे भारत के लिए खेल चुके तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल। आईपीएल के बीच अब सिद्धार्थ ने इंग्लैंड जाकर वहां खेलने का फैसला किया है।

सिद्धार्थ ने भारत के लिए तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले हैं। वह आईपीएल में लंबे समय तक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले। इसके अलावा वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का हिस्सा भी रहे। लेकिन इस बार वह आईपीएल नहीं खेल रहे हैं।

इस काउंटी से किया करार

आईपीएल के बीच में सिद्धार्थ ने काउंटी क्रिकेट खेलने का फैसला किया है। इंग्लैंड की काउंटी नॉर्थम्पटनशर ने सिद्धार्थ के साथ करार किया है। सिद्धार्थ का ये करार हालांकि ज्यादा लंबा नहीं हैं। करार के तहत दाएं हाथ का ये गेंदबाज विटालिटी काउंटी चैंपियनशिप में टीम के लिए तीन मैच खेलेगा। इस करार पर सिद्धार्थ ने कहा, मैं नॉर्थम्पटनशर के साथ करार कर काफी खुश हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं अपने अनुभव से टीम की मदद करूंगा।

ऐसा रहा है करियर

सिद्धार्थ तुरंत प्रभाव से टीम सेलेक्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनके पास फर्स्ट क्लास क्रिकेट का काफी अनुभव है। सिद्धार्थ ने 83 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं जिनमें 284 विकेट लिए हैं। भारत के लिए तीन वनडे मैचों में उन्होंने हालांकि एक भी विकेट नहीं लिया। टी20 में जरूर उन्होंने भारत के लिए चार विकेट अपने नाम किए हैं। इस सीजन राणजी ट्रॉफी में पंजाब की तरफ से खेलते हुए सिद्धार्थ ने 15 विकेट अपने नाम किए थे। भारत ने जब साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता था तब सिद्धार्थ इस विश्व विजेता टीम का हिस्सा थे।

हीरो मोटोकॉर्प का चौथी तिमाही में मुनाफा 18 प्रतिशत बढ़ा, 40 रुपए प्रति शेयर लाभांश का ऐलान

नई दिल्ली। टू-व्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प का 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 1016.05 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 858.93 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 40 रुपए के फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं। रिजल्ट के बाद कंपनी का शेयर करीब 4 प्रतिशत बढ़कर 4600 रुपए के पार निकल गया।

स्टैंडअलोन प्रॉफिट किसी फर्म के भीतर किसी सिंगल कंपनी की प्रॉफिटेबिलिटी बताता है। यानी, इसमें फर्म की एसोसिएट या सब्सिडियरी कंपनी शामिल नहीं होती। स्टैंडअलोन प्रॉफिट से जान सकते हैं कि फर्म का कौन सा बिजनेस प्रॉफिट बना रहा है और कौन सा नहीं।

हीरो मोटोकॉर्प के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर निरंजन गुप्ता ने कहा- FY24 में प्रोडक्ट लॉन्च, नेटवर्क अपग्रेड और कस्टमर सेटिस्फेक्शन पर हमारे फोकस ने हमें नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। सबसे अधिक संख्या में प्रोडक्ट लॉन्च से लेकर, नए फॉर्मेट के रिटेल आउटलेट के विस्तार और डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच ने भविष्य में तेजी से ग्रोथ के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स तैयार किए हैं।

निरंजन गुप्ता ने कहा- कमोडिटी की कीमतें स्थिर रहने, सामान्य मानसून की उम्मीद और सरकारी खर्च बढ़ने की उम्मीद के साथ, हम आगामी तिमाहियों में इस क्षेत्र के लिए कई अनुकूल परिस्थितियां देख रहे हैं। हम वित्त वर्ष 2024 में प्रीमियम और 125 सीसी सेगमेंट में किए गए अपने लॉन्च के दम पर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाएंगे।

निरंजन गुप्ता ने ये भी बताया कि वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी जूम 125 सीसी और जूम 160 सीसी लॉन्च करके स्कूटर पोर्टफोलियो को बढ़ाने जा रही हैं। आने वाले साल में कंपनी मिड और अफोर्डेबल सेगमेंट में ईवी भी लॉन्च करेगी। अभी कंपनी केवल विडा ईवी बेचती है।

कंपनी ने 2024 की तीसरी तिमाही यानी QyFY24 में 13.92 लाख यूनिट मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जबकि QyFY23 में 12.70 लाख यूनिट बेचे। पूरे वित्त वर्ष के लिए, बेची गई गाड़ियों की संख्या 56.21 लाख रही। 2023 में ये 53.29 लाख रही थी।

हीरो मोटोकॉर्प का मार्केट कैप 89.45 करोड़ रुपए है। वहीं दुनिया में कंपनी के 11 करोड़ से ज्यादा कस्टमर हैं। कंपनी 47 से ज्यादा देशों में है और 9000 से ज्यादा शो रूम और सर्विस सेंटर जरिए सर्विस प्रोवाइड कराती है। कंपनी के पास ग्लोबल बेंचमार्क वाले 7 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हैं। इनमें से 5 भारत में हैं। कोलंबिया और बांग्लादेश में 1-1 प्लांट है।

फिर महंगी हुई शाकाहारी थाली, चिकन की कीमत गिरने से नॉन वेज खाना सस्ता

नई दिल्ली। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के चलते अप्रैल में शाकाहारी थाली आठ प्रतिशत महंगी हो गई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक %रोटी-चावल दर% रिपोर्ट के अनुसार, ब्रायलर की कीमत में गिरावट ने मांसाहारी भोजन की लागत में कमी लाने में योगदान दिया है।

शाकाहारी थाली (इसमें रोटी, सब्जयां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है) की अप्रैल में कीमत बढ़कर 27.40 रुपये प्रति प्लेट हो गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में इस थाली की कीमत 25.4 रुपये थी। महीने-दर-महीने से तुलना करें तो मार्च, 2024 में शाकाहारी थाली की कीमत 27.30 रुपये रुपये थी।

शाकाहारी थाली की कीमत में कुल बढ़ोतरी के लिए प्याज में 41 प्रतिशत, टमाटर में 40 प्रतिशत, आलू में 38 प्रतिशत, चावल में 14 प्रतिशत और दालों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को प्रमुख वजह माना गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जीरा, मिर्च, और वनस्पति तेल की कीमतों में क्रमशः 40 प्रतिशत, 31 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे थाली की कुल लागत में और बढ़ोतरी नहीं हुई।

मांसाहारी थाली की कीमत अप्रैल में घटकर 56.3 रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 58.9 रुपये थी। हालांकि मार्च की तुलना में अप्रैल में मांसाहारी थाली की कीमत ज्यादा है। मार्च में मांसाहारी थाली की कीमत 54.9 रुपये थी। बता दें कि मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली की तरह सभी चीजें शामिल होती हैं, लेकिन इसमें दाल की जगह चिकन होता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रायलर की कीमत में 12 प्रतिशत की गिरावट के चलते मांसाहारी थाली सस्ती हुई है। मांसाहारी थाली के कुल मूल्य में 50 प्रतिशत भार चिकन का होता है। मार्च की तुलना में ब्रायलर की कीमत में चार प्रतिशत की वृद्धि के चलते मांसाहारी थाली की कीमत में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सेंसेक्स 45 अंक गिरकर 73,466 पर बंद, निफ्टी फ्लैट 22,306 के स्तर पर बंद

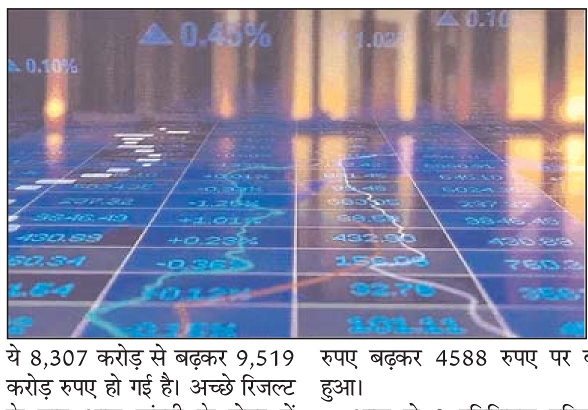

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 8 मई को फ्लैट कारोबार देखने को मिला है। सेंसेक्स 45 अंक की गिरावट के साथ 73,466 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी बिना कोई उतार-चढ़ाव के 22,306 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में गिरावट और 15 में ही तेजी देखने को मिली है। हीरो मोटोकॉर्प ने आज वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 18.4 प्रतिशत बढ़ा है। ये 858 करोड़ से बढ़कर 1,016 करोड़ रुपए रहा।

वहीं आय 14.6 प्रतिशत बढ़ी है, ये 8,307 करोड़ से बढ़कर 9,519 करोड़ रुपए हो गई है। अच्छे रिजल्ट के बाद आज कंपनी के शेयर में 2.49त्न की तेजी देखने को मिली है। हीरो मोटोकॉर्प का शेयर 111.25 रुपए बढ़कर 4588 रुपए पर बंद हुआ।

आज से 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ टीबीओ टेक लिमिटेड और आधार हाउसिंग फाइनेंस ओपन हो रहे हैं। इसमें 10 मई तक निवेश का मौका है। वहीं इंडेजीन लिमिटेड के आईपीओ का आज आखिरी दिन है।टीबीओ टेक लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 1,550.81 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 400 करोड़ के 4,347,826 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक 1,550.81 करोड़ के 16,856,623 शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 8 मई से 10 मई तक बोली लगा सकेंगे। 15 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

अवैध कारोबार से पाकिस्तान को होता है सालाना अरबों का नुकसान

नई दिल्ली। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शोध संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान को अवैध कारोबार गतिविधियों के कारण क्र्यत्र(पाकिस्तानी रुपया) 700 बिलियन से अधिक का भारी वार्षिक नुकसान होता है। ये जानकारी एआरवाई न्यूज में सामने आई है।

ट्रेस इट के महानिदेशक, जेफ्री हार्डी ने आर्थिक अनुसंधान फर्म प्राइम के सहयोग से रिपोर्ट के निष्कर्षों का अनावरण किया, जिसमें पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर गैर-दस्तावेज और अवैध व्यापार प्रथाओं के गहरे प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

पाकिस्तान को सालाना होता है अरबों का नुकसान

एआरवाई न्यूज के अनुसार, रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान की 40 प्रतिशत अर्थव्यवस्था तस्करी और नकली सामान जैसी अवैध गतिविधियों से प्रभावित है, जिसके परिणामस्वरूप पीकेआर 700 बिलियन का वार्षिक नुकसान होता है। हार्डी ने पाकिस्तान की उच्च मुद्रास्फीति दर, जो वर्तमान में 25 प्रतिशत है, को तस्करी के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन के रूप में जोर दिया, विशेष रूप से नकली कृषि और खाद्य उत्पादों में, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा पैदा करता है।

दवाओं की तस्करी में शामिल पाकिस्तान

चौंकाने वाले खुलासों के बीच, रिपोर्ट में टायर तस्करी के साथ-साथ नकली दवाओं की तस्करी को तस्करी के सबसे खतरनाक पहलू के रूप में उजागर किया गया है, जो अकेले अर्थव्यवस्था को 40 बिलियन पीकेआर का वार्षिक नुकसान पहुंचाती है। सिगरेट की तस्करी और नकली सामान के निर्माण से सालाना 240 अरब रुपये का नुकसान होता है, जबकि अकेले चाय की तस्करी से 45 अरब पीकेआर का नुकसान होता है। इसके अलावा, एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि पाकिस्तान में बिकने वाला 60 प्रतिशत मोबिल ऑयल तस्करी से लाया गया और नकली है।

आर्थिक अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी निदेशक अली सलमान ने रेखांकित किया कि सरकार के कर और टैरिफ बढ़ने से तस्करी का प्रसार बढ़ गया है, जिससे अवैध व्यापार प्रथाओं के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा मिला है।

तस्करी पर अंकुश लगाने के सरकारी प्रयासों के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अली सलमान ने सीमा शुल्क अधिकारियों की अपर्याप्तता पर प्रकाश डाला, 1600 किलोमीटर की सीमा पर केवल 400 अधिकारी तैनात हैं, और तस्करी से निपटने और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए उन्नत उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

जागरूकता गतिविधियां लगातार करते रहें, मतदाताओं से व्यक्तिगत सम्पर्क करने का प्रयास करें

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने चौथे चरण के मतदान वाले क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने लोकसभा निर्वाचन-2024 के चौथे चरण के लिये 13 मई को होने वाले मतदान के संदर्भ में संबंधित कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता जागरूकता गतिविधियां लगातार करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं से व्यक्तिगत सम्पर्क करें, उनसे संवाद करें, उनकी शंकाओ का समाधान करें और गर्मी को देखते हुए मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की सुविधाओं के बारे में भी बतायें। उन्होंने कहा कि मतदाता वोट देने मतदान केन्द्र तक आयें, इसके लिये सभी जरूरी प्रबंध किये जायें। राजन बुधवार को चौथे चरण के मतदान वाले 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को वीडियों कान्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित कर रहे थे।

राजन ने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना बनाकर घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया जाये। सरल, सुगम, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण रूप से निर्विघ्न मतदान कराने के लिए सभी चाक-चौबंद व्यवस्थाएं करें। गर्मी को देखते हुये मतदान केन्द्रों पर छाया, शीतल जल, बैठने की व्यवस्था, कूलर, पंखे, दवा सहित अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जाएं।

राजन ने कहा कि निर्वाचन के दौरान पूरी सावधानी और सतर्कता बरतें। स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने के लिये सभी अधिकारी अपने लेवल ऑफ अलर्टनेस को बनाये रखें।

राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रो में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। जिन भवनों में पाँच या उससे अधिक मतदान केन्द्र हैं, वहाँ सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये जायें। जिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहाँ अतिरिक्त मतदान कर्मियों की तैनाती करें।मतदान की निगरानी के लिए 12 हजार 180 मतदान केन्द्रों की होगी वेबकॉस्टिंग राजन ने बताया कि चौथे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के कुल 18 हजार 7 मतदान केन्द्रों में 13 मई को मतदान कराया जायेगा। इनमें से 12 हजार 180 मतदान केन्द्रों की वेबकास्टिंग कराई जायेगी। उन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि मतदान में बाधा डालने वाले तत्वों पर निगरानी रखने के लिये क्रिटिकल मतदान केन्द्रों के भीतर और बाहर सीसीटीव्ही कैमरे लगाये जाएँ। साथ ही वेबकास्टिंग की निगरानी की पुख्ता व्यवस्था करें, जिससे किसी केन्द्र पर मतदान में अनियमितता दिखाई दे, तो तत्काल कार्रवाई की जा सके।

राजन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हर मतदान केन्द्र तक व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ चलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए ÷चलें बूथ की ओर÷ अभियान चलाएँ। प्रत्येक मतदान केन्द्र से जुड़े हर घर, हर मतदाता तक यह संदेश पहुँचे कि 13 मई को सभी अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। मतदाताओं को वोट डालने के लिये घर-घर जाकर प्रेरित करने के लिये सभी जिला निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिये स्थानीय दल गठित करें। मतदान दिवस पर पर भी इस दल का सहयोग लेकर लोगों को मतदान के लिये बुलाएँ। राजन ने कहा सभी जिलों में ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए जाएँ। इन केन्द्रों की सुविधाएँ ऐसी हों, जिससे अधिक से अधिक मतदाता वोट डालने के लिये प्रेरित हों। मतदाताओं का स्वागत आम का पना, शरबत, छाछ आदि से करें। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों के साथ-साथ मतदान सामग्री वितरण स्थल पर भी सभी समुचित व्यवस्थाएँ की जायें। सामग्री वितरण स्थल पर मिनी अस्पताल, मिनी आईसीयू जैसी व्यवस्थाएँ की जा सकती है। मतदान दलों को शीतल जलपान करायें।

राजन ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मतदाता सूचना पर्चियों का वितरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता पर्चियों के वितरण पर विशेष ध्यान दिया जाये। कोई भी मतदाता पर्ची मिलने से वंचित नहीं रहें। यह सुनिश्चित किया जाये कि शतप्रतिशत मतदाताओं तक पर्चियाँ पहुँच जाएँ। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को यह समझाया जाये कि मतदाता पर्ची ही मतदान के लिए पर्याप्त नहीं है। मतदाता पर्ची के साथ में उन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित वैकल्पिक पहचान दस्तावेज लाना होंगे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे और विवेक श्रोतिय तथा उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मतदान के महत्व पर रचनात्मक वीडियो, रील, मीम पोस्ट करें

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने स्टेट आइकॉन, डिस्ट्रिक्ट आइकॉन, कन्टेंट क्रिएटर एवं इन्फ्लूएंसर से आग्रह किया है कि इलेक्शन केम्पेन थीम "IAM#Election Ambassador" के अंतर्गत छोटे-छोटे वीडियो बनाकर मतदाताओं को लोकतंत्र के महान पर्व में शामिल होने के लिये प्रेरित करें। उन्होंने लोकतंत्र के उत्सव में उत्साहपूर्ण भागीदारी करने के लिए युवा मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने पहली बार मतदान करने के अनुभवों और भावनाओं को साझा करें। मत का मूल्य बतायें, मतदान करने पर गर्व करें और वोट डालने के रोमांच का अनुभव बतायें। इसके लिये मतदाता अपने शार्ट वीडियो बनायें और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अपलोड करें। राजन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि अपने आस-पड़ोस के मतदाताओं को जागरूक करें। उन्हें चुनाव आयोग के एप का उपयोग करने, वोटर लिस्ट में अपना नाम, मतदान केन्द्र की जानकारी प्राप्त करने के बारे में बतायें और वोट डालने के लिए प्रेरित करें। मतदाताओं से मतदान के महत्व के बारे में चर्चा करें और सभी सगे संबंधियों, दोस्तों के साथ वोट करने जाएं। इसके अलावा रील्स, मीम्स बनाकर अपने इंस्टाग्राम सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर टैग कर सकते हैं। यह वीडियो 10 मई तक पोस्ट करें।

इंदौर में लोकसभा निर्वाचन को उत्सवी रूप देने के लिए मतदान केन्द्रों पर की जायेगी विशेष साज-सज्जा

- इंदौर शहर में बनेंगे 25 आदर्श मतदान केन्द्र

इन्दौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिए 13 मई को होने वाले मतदान की व्यापक तैयारियां जारी है। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन को उत्सवी रूप देने के लिए मतदान केन्द्रों पर विशेष साज-सज्जा की जायेगी तथा मतदाताओं को अनेक सुविधाएँ भी मिलेगी। इंदौर शहर में इसके मद्देनजर 25 मतदान केन्द्रों को आदर्श मतदान केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इनमें से 6 मतदान केन्द्र दिव्यांग मतदान कर्मियों द्वारा तथा 6 मतदान केन्द्र महिला कर्मियों द्वारा संचालित रहेंगे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इंदौर शहर में बनाये जाने वाले 25 आदर्श मतदान केन्द्रों पर समन्वय के लिए नगर निगम के अपर आयुक्तों को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही प्रत्येक आदर्श मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं के लिए प्रभारी अधिकारी भी नियुक्त किये गये है। उन्हें निर्देश दिये गये है कि 11 मई की शाम 5 बजे तक आदर्श मतदान केन्द्र तैयार कर देवे।

इंदौर में दिव्यांगजनों द्वारा प्रबंधित आदर्श मतदान केन्द्रों में इंदौर-एक के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय किला मैदान, इंदौर दो के आरबीटीआई अनुदेशक नगर के सामने आयटीआय सुखलिया, इंदौर-3 के इल्वा उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल लोहा मण्डी, इंदौर-4 के वैष्णव कन्या विद्यालय गुमाश्ता नगर, इंदौर-5 के चेतन्य टेक्नो स्कूल रिंग रोड आईपीएस स्कूल के पास तथा राऊ विधानसभा क्षेत्र के क्वींस कॉलेज भवन लिम्बोदी मतदान केन्द्र शामिल है।

महिला पिंक आदर्श मतदान केन्द्रों में इंदौर-1 के शारदा कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बड़ा गणपति, इंदौर दो के विद्या विजय हायर सेकेंडरी स्कूल स्लाइस 4 स्कीम नम्बर 78 अरण्य, इंदौर 3 के पीएमबी गुजराती साईन्स कॉलेज नसिया रोड, इंदौर 4 के रामकृष्णबाग गणेश हाल कमरा नम्बर-3 लाबरिया भेरू, इंदौर-5 के सीपीडब्ल्यूडी उपम एफ-1 कार्यालय कमरा नम्बर-1 तथा राऊ विधानसभा क्षेत्र के माता गुजरी कॉलेज एबी रोड नर्सरी भवन बी मतदान केन्द्र शामिल है।

इसी प्रकार इंदौर-1 में शासकीय बालक उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बाणगंगा मेनरोड कमरा नम्बर-5 तथा रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ कमरा नम्बर-11 वीआयपी रोड, इंदौर दो में प्रेस्टिज पब्लिक स्कूल स्कीम नम्बर-74 सी विजय नगर कमरा नम्बर-1 तथा मॉ कनकेश्वरी महाविद्यालय नंदा नगर कमरा नम्बर-1,3,4 एवं 6 के मतदान केन्द्र, इंदौर-3 में शासकीय अहिल्याश्रम एवं चंद्रावती कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 पोलोग्राउण्ड कमरा नम्बर-2, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय सुभाष मार्ग रामबाग कमरा नम्बर-1 तथा सेंट रेफेल्स उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल ओल्ड सिहोर रोड कमरा नम्बर-1, इंदौर-4 में कसेरा बाजार विद्या निकेतन गुमास्ता नगर, इंदौर-5 में सेंटपाल स्कूल कमरा नम्बर-4 तथा मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग पश्चिम परिक्षेत्र ओल्ड पलासिया कमरा नम्बर-8 में भी आदर्श मतदान केन्द्र बनाये जा रहे हैं। उपरोक्त मतदान केन्द्रों पर आकर्षक साज-सज्जा होगी। भव्य प्रवेश द्वार बनाया जायेगा। मतदाताओं के बैठने के लिए वेटिंग एरिया भी बनेगा। पीने के ठण्डे पानी की व्यवस्था भी की जायेगी। बच्चों के लिए प्ले एरिया रहेगा। धात्री माताओं के लिए फिडिंग रूम की व्यवस्था भी की जायेगी।

11 हैंडपम्पो की मरम्मत कर चालू किये गये

श्योपुर, कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड द्वारा ग्रीष्मकाल में पेयजल की उपलब्धता के संबंध में किये जा रहे उपायो के तहत अब पीएचई विभाग द्वारा पेयजल स्त्रोतो तथा हैंडपम्पो की मरम्मत के संबंध में प्रतिदिन पेयजल बुलेटिन जारी किया जा रहा है। संबंधित गांव के व्यक्ति सुधार हुआ है या नही इसकी पुष्टि कर सकते है और यदि सुधार एवं मरम्मत नही की गई है, तो उसकी जानकारी अगले 4 दिवस में प्रदान कर सकते है। पेयजल स्त्रोतो की मरम्मत के संबंध में भ्रामक जानकारी देने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। जानकारी कार्यपालन यंत्री पीएचई शुभम अग्रवाल के मोबाइल नंबर 6387520477 पर दी जा सकती है। इन निर्देशो के क्रम के कार्यपालन यंत्री शुभम अग्रवाल द्वारा बताया गया है कि आज 11 हैंडपम्पो की मरम्मत कर सुधार किया गया है।

ग्राम निवासी विद्युत सुरक्षा हेतु सावधानियाँ जरूर बरतें

- मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने की अपील

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्राम निवासियों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में विद्युत संबंधी उपकरणों के प्रचालन में अतिरिक्त सावधानी बरतें। कंपनी ने कहा है कि अनावश्यक विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी करना जान पर भारी पड़ सकता है, वहीं विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत ऐसा करना दण्डनीय अपराध है।

बिजली के उपकरणों, केबल से जरा-सी असावधानी या छेड़खानी करने से दुर्घटनाएं हो सकती हैं। ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है यदि ऑधी तूफान या अन्य किसी कारण से नीचे आ गई हैं तो उन्हें अकस्मात् छूकर खतरा मोल न लें। यदि लाइन टूट गई है तो इसकी सूचना शीघ्र ही निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। जब तक कोई नहीं आता है, तब तक वहां निगरानी रखें, ताकि अंजाने में कोई अन्य व्यक्ति टूटे तार को छुए नहीं।

विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि नये घर बनाते समय विद्युत पारेषण अथवा वितरण लाइन से समुचित दूरी रखें। यह कानून की दृष्टि से भी आवश्यक है। उचित फासले के विषय में स्थानीय बिजली कंपनी के अधिकारी से सलाह जरूर लें ताकि सुरक्षा बनी रहे। विशेष रूप से खेतों खलिहानों में ऊँची -ऊँची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियॉ, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें। विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियॉ न निकालें, इससे आग लगने एवं प्राण जाने का खतरा है। बिजली के तारों पर कपड़े आदि डालना दुर्घटना को निमंत्रण देना है। अपने खेत खलिहान पर या संपत्ति की सुरक्षा हेतु अवरोधक तारों (फेन्सिंग वायर्स) में विद्युत प्रवाहित न करें। यह कानूनी अपराध भी है। इस प्रकार अवैध तरीके से विद्युत का उपयोग करने वालों पर कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। बिजली के खंभों या स्टे-वायर से जानवर आदि न बांधे और न ही इससे जानवरों को रगड़ने दें। इससे जनधन की हानि हो सकती है।

11 मई को मतदान कर्मियों के लिए विधानसभा मुख्यालयों पर रहेगी रात्रि विश्राम की व्यवस्था

बडवानी। लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर 12 मई की प्रातः 6 बजे से जिले के चारों विधानसभा मुख्यालयों पर सामग्री का वितरण मतदान कर्मियों को किया जायेगा। ऐसे मतदान कर्मी जो कि 11 मई को विधानसभा मुख्यालय पर जाना चाहते है, उनके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने विधानसभा मुख्यालयों पर मतदान कर्मियों के रात्रि विश्राम हेतु विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत महिला एवं पुरूष कर्मियों के रूकने की पृथ्क-पृथ्क व्यवस्थाएं की गई है। साथ ही 13 मई को जिला स्तरीय स्ट्रांग रूम में मतदान सामग्री जमा कराने के पश्चात् भी जो मतदान कर्मी रात्रि विश्राम करना चाहते है, उनके लिए भी विधानसभा बड़वानी में व्यवस्था की गई है। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा बड़वानी में महिलाओं के लिए शासकीय अंग्रेजी माध्यम कन्या आश्रम शाला बड़वानी, शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय कन्या छात्रावास बड़वानी, शासकीय अजजा सीनियर कन्या छात्रावास बड़वानी, शासकीय उत्कृष्ट कन्या छात्रावास बड़वानी, शासकीय अजा सीनियर कन्या छात्रावास बड़वानी में, शासकीय अजा जूनियर कन्या छात्रावास बड़वानी, शासकीय अजा सीनियर कन्या छात्रावास बड़वानी तथा पुरूषों के लिए शासकीय सीनियर अजजा बालक छात्रावास बड़वानी, शासकीय जूनियर अजा बालक छात्रावास क्रमांक 1 बड़वानी, शासकीय जूनियार अजा बालक छात्रावास बड़वानी, शासकीय सीनियर अजा छात्रावास बड़वानी, शासकीय सीनियर अजा छात्रावास क्रमांक 1 बड़वानी, शासकीय बालक खेल परिसर छात्रावास बड़वानी, शासकीय विमुक्त जाति बालक छात्रावास बड़वानी, शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय बालक छात्रावास बड़वानी, शासकीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास बड़वानी, शासकीय सीनियर बालक छात्रावास क्रमांक 1 एवं 2 बड़वानी, शासकीय बालक नूतन सीनियर छात्रावास बड़वानी, शासकीय बालक पुराना छात्रावास बड़वानी में की गई है। उक्त स्थानों पर सामग्री जमा कराने के पश्चात् मतदान कर्मियों के लिए 13 मई की रात्रि को भी रूकने की व्यवस्था रहेगी। वही विधानसभा राजपुर में महिलाओं के लिए शासकीय कन्या सीनियर छात्रावास राजपुर, जवाहरलाल नेहरू बालक उत्कृष्ट छात्रावास राजपुर में तथा पुरूषो के लिए शासकीय कन्या महाविद्यालय छात्रावास राजपुर, मांगलिक भवन नगर परिषद राजपुर, कुशवाह धर्मशाला राजपुर में रहेगी। इसी प्रकार विधानसभा पानसेमल में महिलाओं के लिए शासकीय उत्कृष्ट कन्या छात्रावास पानसेमल में तथा पुरूषों के लिए शासकीय उत्कृष्ट बालक सीनियर छात्रावास पानसेमल तथा शासकीय घुमक्कड़ विमुक्त जाति बालक छात्रावास पानसेमल में रहेगी। विधानसभा सेंधवा में महिलाओं के लिए कन्या उत्कृष्ट छात्रावास सेंधवा में तथा पुरूषों में बालक महाविद्यालय छात्रावास सेंधवा तथा बालक सीनियर छात्रावास 1,2,3 सेंधवा तथा मंगल भवन सेंधवा में रहेगी।

मतदान के दिन मतदान केन्द्रों की पल-पल की गतिविधियों पर रहेगी पैनी नजर

- जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से रखी जाएगी निगरानी

खरगोन। आगामी 13 मई को खरगोन एवं खण्डवा लोकसभा क्षेत्र से प्रतिनिधि के निर्वाचन के लिए मतदान कराया जाएगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान कराने के लिए मतदान के दिन खरगोन जिले के 1548 मतदान केन्द्रों की पल-पल की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। इसके लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने 08 मई को कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा और कंट्रोल रूम में नियुक्त कर्मचारियों को समझाया कि उन्हें मतदान के दिन क्या-क्या कार्य करने हैं ?

मतदान के दिन मतदान केन्द्रों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए जिले के 1157 मतदान केन्द्रों पर कैमरे लगाएं जा रहे हैं। वेबकास्टिंग के द्वारा ऑनलाइन कंट्रोल रूम में मतदान केन्द्र की गतिविधियों को देखा जाएगा।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम में वेबकास्टिंग

टीम, ईव्हीएम परिवहन करने वाले वाहनों पर निगरानी रखने वाली जीपीएस टीम और हर दो-दो घण्टे में मतदान प्रतिशत प्राप्त करने वाली टीम तैनात की गई है। सभी टीमों में विधानसभा क्षेत्रवार अलग-अलग कर्मचारी लगाएं गए हैं। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस दौरान कहा कि मतदान केन्द्रों में कैमरे ऐसी जगह लगाएं जाएं जिससे मतदान केन्द्र के प्रवेश द्वार, निर्गम द्वार एवं मतदान दल की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। कैमरे इस तरह से लगाना है कि उसमें वोटिंग कपार्टमेंट (मतदान प्रकोष्ठ) नजर न आए। उन्होंने सभी टीमों के कर्मचारियों से कहा कि वे 12 मई को मतदान दल के मतदान केन्द्र पहुंचने के साथ ही अपना कार्य प्रारंभ कर दें। वेबकास्टिंग टीम मतदान केन्द्र में नियम विरूद्ध गतिविधि पायी जाने पर तत्काल कंट्रोल रूम के माध्यम से पीठासीन अधिकारी को सूचित करें।

कलेक्टर श्री शर्मा ने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम की तर्ज पर विधानसभा क्षेत्र स्तर पर भी कंट्रोल रूम तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंट्रोल रूम से मतदाता पर्ची वितरण की जानकारी संग्रहित करने और मतदाताओं को पर्ची वितरण नहीं करने वाले व इसमें लापरवाही बरतने वाले बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने पर्ची वितरण कार्य की रेंडमली जांच करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि जिले में मतदान का प्रतिशत पिछले चुनाव की तुलना में बढ़ाने के लिए प्रयास करना है। 13 मई को बूथ अवेयरनेस ग्रुप बीएजी के सदस्य सुबह से ही गांव के मतदाताओं को घर-घर जाकर मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। जिन मतदान केन्द्रों पर कम मतदान हो रहा है कंट्रोल रूम से वहां के बीएजी सदस्यों से सम्पर्क करना है।

नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 11000 रूपये जुर्माने से दण्डित किया

बडवानी। प्रथम अपर सत्र न्यायालय सेंधवा श्रीमति दिपीका मालवीय ने अपने फैसले मे नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप मे आरोपी नहारसिंह उर्फ नाहरिया पिता झंझाड़ निवासी मोरतलाई को धारा 5एम/6, पाक्सों एक्ट में 20 वर्ष एवं 10,000 रूपये एवं धारा 363 भादवि में 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी श्री संजयपाल मोरे विशेषलोक अभियोजक सेंधवा द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बड़वानी ने बताया कि फरियादी ने दिनांक 06 जनवरी 2022 को पुलिस थाने पर जाकर रिपोर्ट लिखाई थी कि वह दोनो पति पत्नी (बालिका के माता पिता) सुबह मजदुरी करने चले गये थे तथा दोपहर में वापस आये तो बालिका नहीं दिखी।

तो उसकी माता ने आसपास गॉव में उसकी तलाश की और मोहल्ले के बच्चो से पूछा तो उन्होने बताया कि वह नाले तरफ टायलेट के लिये गई है जब वह बहुत देर होने के बाद भी वह नहीं लौटी तो उसके पिता उसको ढुंढते हुये नाले तरफ गये जहां पीड़िता नहीं मिली तो नाले के आस-पास पीड़िता की तलाश करते हुये गन्ने के खेत से उसे आरोपी नहारसिंग अपने कपड़े झकटते हुये जाता हुआ दिखाई दिया। जब पीड़िता के पिता ने नहारसिंग से पूछा की उसकी बालिका को देखा है तो नहारसिंह ने बोला कि मुझे नहीं पता और वहॉ से भाग गया। जब पीड़िता का पिता गन्ने के खेत तरफ बालिका को देखने के लिए गया तो उसकी बालिका जमीन पर बेहोश पड़ी हुयी थी तब बालिका का पिता उसको गोद में उठाकर घर लाया तब बालिका को थोड़ा होश आया तो उसने बताया कि आरोपी उसे पोहे खिलाने के बहाने गन्ने के खेत मे लेकर गया और उसके साथ गंदा काम (दुष्कर्म) किया इस कारण वह बेहोश हो गयी थी । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पाक्सों एक्ट एवं भादवि के अंतर्गत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। न्यायालय ने विचारण के दौरान आरोपी द्वारा बालिका का लैंगिक शोषण किया जाना प्रमाणित पाया गया तथा विशेष न्यायाधीश श्रीमती दीपिका मालवीय द्वारा पुलिस की कार्यवाही एवं साक्षियों के बयानों के आधार पर आरोपी को दोषी पाते हुये 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 11000 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

20 मई तक किसान कर सकते हैं समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय

खरगोन। रबी उपार्जन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये जिले में 50 उपार्जन केन्द्र बनाये गये है। गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये और बोनस की राशि 125 रुपये मिलाकर कुल 2400 रूपये प्रति क्विंटल के मान से किसानों को भुगतान किया जाएगा। मप्र शासन द्वारा पहले उपार्जन की अवधि 07 मई 2024 तक निर्धारित की गई थी जिसे बढ़ाकर अब 20 मई 2024 कर दिया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी भारत सिंह जमरे ने समस्त किसान बन्धुओं से अपील की है कि यदि वे समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय करना चाहते है तो नजदीकी उपार्जन केन्द्र पर जाकर स्लॉट बुक कर 20 मई 2024 के पूर्व गेहूं विक्रय कर सकते है।

11 मई को जिला एवं तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन

राजीनामे और समझौते योग्य लंबित प्रकरणों का होगा निराकरण

खरगोन। 11 मई 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रीलिटिगेशन व राजीनामा योग्य न्यायालयीन लंबित प्रकरण लोक अदालत में रखे जाएंगे। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 11 मई को प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय मण्डलेश्वर एवं तहसील न्यायालय बड़वाह, सनावद, भीकनगांव, खरगोन, कसरावद एवं महेश्वर में किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालयीन लंबित प्रकरणों में से राजीनामा योग्य आपराधिक मामले, सिविल मामले, पारिवारिक विवाद, कुटुम्ब न्यायालय के मामले, विद्युत, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, अपीले आदि के मामले रखे गये है एवं बैंक, जलकर, विद्युत आदि के प्रीलिटिगेशन मामले रखे गये है। जिला न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत में विद्युत, बैंक, नगर पालिका आदि के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रत्येक जिला एवं तहसील न्यायालय स्तर पर जिला न्यायाधीश तथा मजिस्ट्रेट स्तरीय खण्डपीठ का गठन कर जिले में कुल 18 खण्डपीठें गठित की गई है। नियमित न्यायालयीन लंबित प्रकरणों के लिए पृथक से न्यायालय वार 26 खण्डपीठें गठित की गई है।

नेशनल लोक अदालत 11 मई 2024 के संबंध में जिला न्यायाधीश एवं सचिव सुजीत कुमार सिंह की ओर से समस्त अधिवक्तागण, अधिकारियों, पक्षकारों एवं आम जन को आह्वान किया गया है कि आगामी नेशनल लोक अदालत में भी अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण कराकर सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान एवं अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। सभी पक्षकार लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण कराकर शासन द्वारा प्रदत्त विभिन्न छूटों का लाभ उठा कर संबंधित प्रकरण के क्षेत्राधिकार अनुसार जिला न्यायालय मण्डलेश्वर एवं तहसील न्यायालयों में अधिकतम प्रकरणों का निराकरण कराकर सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान एवं अपेक्षित सहयोग प्रदान करें।

पुलिस प्रेक्षक एवं कलेक्टर की उपस्थिति में स्टॉग रूम शील्ड राजनैतिक दलो के पदाधिकारी भी रहे मौजूद

श्योपुर, लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज श्योपुर में सभी ईव्हीएम मशीनो को सुरक्षित रखते हुए पुलिस प्रेक्षक श्री जयनाथ जे., कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार जांगिड, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अनुज कुमार रोहतगी तथा संबंधित एआरओ एवं राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों की मौजूदगी में स्टॉगरूम शील्ड करने की कार्यवाही की गई।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त पुलिस प्रेक्षक श्री जयनाथ जे. की उपस्थिति में श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र की ईव्हीएम मशीनो को अलग-अलग स्टांगरूम में सुरक्षित रखवाते हुए सीलिंग की कार्यवाही की गई। इस अवसर पर रिटर्निंग आफिसर श्योपुर श्री मनोज गढवाल, विजयपुर श्री बीएस श्रीवास्तव, राजनैतिक दलो के पदाधिकारी तथा उनके निर्वाचन अभिकर्ता आदि उपस्थित थे। विधानसभा निर्वाचन के तहत श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलो से सामग्री प्राप्त करने के उपरांत ईव्हीएम मशीनो को सुरक्षित तरीके से शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज श्योपुर में श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाये गये अलग-अलग स्टॉगरूम में रखवाकर उन्हें शील्ड करने की कार्यवाही की गई।

डीएसपी हैडक्वार्टर के गनमैन ने गोली मारकर की आत्महत्या

पुराने सिविल लाइन थाना परिसर स्थित शासकीय आवास में मंगलवार रात हुई घटना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। डीएसपी हैडक्वार्टर विजय भदौरिया के गनमैन विक्रम परमार ने मंगलवार की रात को सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना पुराने सिविल लाईन थाना परिसर स्थित शासकीय आवास में मंगलवार की रात करीब 11 बजे होना बताई गई है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक मूलतः धौलपुर जिले की बाड़ी तहसील निवासी विक्रम सिंह परमार (36)पुत्र महेश सिंह परमार का परिवार बीते कई सालों से ग्वालियर में गदाईपुरा इलाके में रह रहा है। विक्रम बीते कुछ सालों से मुरैना जिले में पदस्थ है। पत्नी और दो बच्चों के साथ विक्रम पुराने सिविल लाईन थाना

परिसर में बने शासकीय आवास में रह रहा था। मंगलवार की रात को जब विक्रम अपने घर पर था, तभी उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई, जिसके बाद विक्रम ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचीं और लहूलुहान अवस्था में विक्रम को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद मर्ग कायम कर पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

पैर में फ्रेक्चर होने से बीते 15 दिन से छुट्टी पर था विक्रम

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरक्षक विक्रम परमार के पैर में करीब 15 दिन पहले माइनर फ्रेक्चर हो गया था, जिसके चलते विक्रम छुट्टी पर चल रहा था।

डम्पर ने मोटरसाईकिल में टक्कर मारी, पत्नी की मौत, पति घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बाइक पर पत्नी को दवा दिलाने के लिए बानमोर जा रहे दंपत्ति को पीछे से तेज रफ्तार में आए डंपर ने कुचल डाला। हादसे में पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसा बुधवार की दोपहर एनएच-44 हाईवे पर सिविल लाईन क्षेत्र में सैय्यद नहर के नजदीक होना बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के मुतसबिक मुरैना शहर के इस्लामपुरा में रहने वाला सुल्तान खान 46 पुत्र छोटे खान बुधवार को पत्नी सन्नो खान (45) को दवा दिलाने के लिए बाइक पर सवार होकर बानमोर की ओर जा रहा था। इसी दौरान जब उनकी बाइक एनएच-44 हाईवे पर सैय्यद नहर के नजदीक से गुजर रही थी। तभी पीछे की ओर से तेज रफ्तार में आए एक डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने तत्काल सिविल लाईन पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने महिला सन्नो खान को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके पति सुल्तान खान को उपचार के लिए भर्ती किया गया है। पुलिस ने हादसे को अंजाम देने वाले डंपर को जब्त कर लिया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी।

प्रेक्षक की उपस्थिति में हुई मतदान केन्द्रों के दस्तावेजों की संवीक्षा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के दूसरे दिन बुधावार को पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में हुए मतदान के समस्त मतदान केंद्रो से प्राप्त प्रारूप 17'ए' तथा अन्य दस्तावेजों की कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंकित अस्थाना, सामान्य प्रेक्षक डॉ. कौरा लक्ष्मी सहित प्रत्याशियों के अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संवीक्षा की कार्यवाही संपादित की गई।

इस दौरान अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद एवं समस्त सहायक रिटर्निंग ऑफीसर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने मतदान सामग्री जमा स्थल पॉलीटेक्निक कॉलेज, मुरैना में विधानसभा क्षेत्रवार अम्बाह, दिमनी, मुरैना, सुमावली, जौरा, सबलगढ़, विजयपुर एवं श्योपुर में मतदान केंद्रो की संवीक्षा की। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों के संपूर्ण मतदान केंद्रो में ऐसे मतदान केंद्र जिनमें कुल औसत मतदान से 15 प्रतिशत अधिक या कम मतदान होता है, उनके पीठासीन अधिकारी द्वारा दी गई रिपोर्ट और प्रारूप 17'ए' की संवीक्षा प्रेक्षक की उपस्थिति में रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा की जाती है। मुरैना जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन में हुए मतदान की मतगणना 04 जून 2024 को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में शुरू की जायेगी।

कल मनेगी भगवान परशुराम जयंती

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भगवान परशुराम का प्रकट उत्सव अक्षय तृतीया 10 मई, शुक्रवार को भगवान परशुराम के मंदिर बड़ोखर में प्रातः 8:00 बजे से मनाया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए परशुराम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पहलवान हाकिम सिंह दंडोतिया ने बताया कि प्रातः 8:00 बजे भगवान का अभिषेक किया जाएगा और उसके बाद पूजन अर्चन आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने सभी विप्र बंधुओं से अपील की है कि वे 8:00 बजे भगवान परशुराम मंदिर बड़ोखर धाम पर पहुंचकर अपने आराध्य भगवान परशुराम की जयंती उत्सव में सम्मिलित हों।

आदर्श होटल से 52 हजार का डीजल जब्त, मामला दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एनएच-44 हाईवे पर धौलपुर की ओर सिकरोदा गांव के पास स्थित आदर्श होटल से सिविल लाईन पुलिस ने 52 हजार रूपये कीमती डीजल बरामद किया है। पुलिस ने डीजल की अवैध रूप से बिक्री करने वाले तीन लोगों के विरुद्ध 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक सिविल लाईन पुलिस को सूचना मिली कि सिकरौदा गांव स्थित आदर्श होटल से डीजल की अवैध रूप से बिक्री की जा रही है। पुलिस ने होटल पर दविश देकर वहां से डीजल से भरे ड्रम जब्त किए। जिसकी कीमत 52 हजार रूपये आंकी गई है। पुलिस ने शेरा शर्मा, सत्यप्रकाश पचौरी, भरत पचौरी नि. सिकरोदा के विरुद्ध ईसी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

लोकतंत्र के महापर्व में मतदान सम्पन्न कराकर लौटे मतदान दल

पुष्पाहारों से किया स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत मुरैना जिले में मंगलवार 07 मई को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ।

जिले के सभी 1706 मतदान केन्द्रों पर मतदान सम्पन्न कराने के बाद मंगलवार की देर शाम पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में मतदान दलों का आगमन शुरू हुआ। पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में मतदान दलों के पहुँचने पर उपस्थित अधिकारियों ने पुष्पाहारों से स्वागत किया। साथ ही सभी दलों के प्रति आभार जताया।

देर रात तक सभी मतदान दल वापस लौटे, स्ट्राँग रूम में सील हुई ईव्हीएम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मुरैना जिले में 07 मई को मतदान संपन्न हुआ। मतदान संपन्न होने के बाद देर रात तक सभी 1706 मतदान केन्द्रों के मतदान दल वापस लौटे। मतदान दलों की वापसी के बाद विधानसभावार बनाए गए स्ट्राँग रूमों में ईव्हीएम मतदान केन्द्रवार संधारित की गई। उम्मीदवारों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा प्रेक्षक की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम सील किए गए।

जानिए पंचक का महत्व, सालभर कब से कब तक आयेंगे पंचक

मुरैना। पंचक क्या होते हैं, ये साल में कब आते हैं और इनका क्या महत्व है।

ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन के अनुसार, चन्द्र ग्रह का धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद तथा रेवती नक्षत्र में भ्रमण काल पंचक काल कहलाता है, नक्षत्रों के मेल से बनने वाले विशेष योग को 'पंचक' कहा जाता है। हर महीने में 27 दिनों के अंतराल पर पंचक नक्षत्र का चक्र बनता रहता है। चंद्रमा 27 दिनों में सभी नक्षत्रों का भोग कर लेता है, एक राशि में चंद्रमा ढाई दिन और दो राशियों में चंद्रमा पांच दिन रहता है। इन पांच दिनों के दौरान चंद्रमा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती नक्षत्र से गुजरता है और इस कारण ये पांचों दिन पंचक कहलाते हैं। पंचक 5 प्रकार के होते हैं। शास्त्रों में वार के हिसाब से पंचक के नाम का निर्धारण किया जाता है। हर पंचक का अलग-अलग अर्थ और प्रभाव है।

किस वार को लगने पर क्या नाम होता है?

रविवार - रोग पंचक
सोमवार - राज पंचक
मंगलवार - अग्नि पंचक
शुक्रवार - चोर पंचक
शनिवार - मृत्यु पंचक

आगे कब-कब लगेंगे पंचक

मई में पंचक लगने का समय 2 मई, गुरुवार दोपहर 02:32 है और इसका समापन 06 मई, मंगलवार रात 05:43 मिनट पर हो गया है। अब इस माह में कोई पंचक नहीं है।

जून में पंचक की शुरुआत 26 तारीख, बुधवार सुबह 01:49 मिनट से होगी और पंचक का समापन 30 जून, रविवार सुबह 07:34 पर हो जाएगा।

जुलाई 23 जुलाई, मंगलवार की सुबह 09:20 पर एकबार फिर पंचक लग जाएंगे।

जुलाई में पंचक का अंत 29 जुलाई, शनिवार दोपहर 01:00 बजे हो जाएगा।

अगस्त के महीने में 19 अगस्त, सोमवार शाम 7:00 बजे पंचक लग जाएंगे और 23 अगस्त, शुक्रवार शाम 07:54 मिनट पर पंचक खत्म होंगे।

सितंबर 16 सितंबर, मंगलावर को शाम 05:44 मिनट पर पंचक लगेंगे और 20 सितंबर, शुक्रवार सुबह 05:15 मिनट पर पंचक खत्म होगा।

अक्टूबर में 13 अक्टूबर, रविवार दोपहर 3:44 मिनट पर पंचक शुरू होगा और 17 अक्टूबर, गुरुवार शाम 04:20 पर पंचक खत्म हो जाएगा।

नवंबर महीने में पंचक 9 नवंबर, शनिवार रात 11:27 मिनट पर लग जाएगा और 14 नवंबर, गुरुवार सुबह 03:11 मिनट पर खत्म होगा।

दिसंबर साल के अंत में 7 दिसंबर, शनिवार सुबह 05:07 पर पंचक लगेगा और इसका अंत 11 दिसंबर, बुधवार सुबह 11:48 पर हो जाएगा।

पंचक के पांच नक्षत्र में कार्य प्रारम्भ करने से ये हानि होना संभव है

1.धनिष्ठा नक्षत्र में अग्नि का भय रहता है।
2. शतभिषा नक्षत्र में कलह होने की संभावना रहती है।
3. पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में रोग बढ़ने की संभावना रहती है।
4. उतरा भाद्रपद में धन के रूप में दंड होता है।
5. रेवती नक्षत्र में धन हानि की संभावना रहती है।

पंचक में इन कार्यों को करने से बचना चाहिए

1. लकड़ी एकत्र करना या खरीदना या पलंग बनाना फर्नीचर लगाना।
2. मकान पर लकड़ी लोहे की छत डलवाना
3. दाह संस्कार (शव जलाना) में कुछ विशेष क्रिया करके ही करना।
4. चारपाई बनवाना कंड़े, काष्ट घर लाकर इकठ्ठा करना।
5. दक्षिण दिशा की ओर यात्रा करना।
6. अन्य कोई भी शुभ और मांगलिक

मितावली

पढ़ावली

ककनमठ

मुरैना की पुरा संपदा को पर्यटकों का इंतज़ार

-गोपाल सिकरवार-

मुरैना,9 सितम्बर। मुरैना जिला वैसे तो पीला सोना अर्थात् सरसों उत्पादक क्षेत्र के रूप में अपनी विशेष पहचान बना चुका है, लेकिन इस अंचल में स्थित पुरा संपदा भी किसी मायने में कम नहीं है। यहां पर अनेक ऐतिहासिक व प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। लेकिन इनका उचित प्रचार-प्रसार न होने के कारण यह स्थल पर्यटक स्थल के रूप में पूरी तरह विकसित नहीं हो सके हैं। यदि इन स्थलों का प्रचार-प्रसार किया जाए तो निश्चित रूप से मुरैना जिले में देशी ही नहीं अपितु विदेशी पर्यटक भी आयेंगे, जिससे अंचल का नाम तो रोशन होगा ही अपितु यहां के युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।

ककनमठ

ककनमठ नाम से विख्यात इस पिरामिड सरीखे मंदिर से दो किलोमीटर की परिधि में स्थित भगवान शांतिनाथ, कुंथनाथ व अहनाथ की क्रमशः 16 व 8-8 फुट ऊंची प्रतिमायें तथा ध्वस्थ मंदिर के शानदार चबूतरे पर खड़े रह गये हनुमान जी की 20 फुट से ऊंची मूर्ति, अम्बिका मंदिर व कुण्ड, प्रस्तस्तम्भ व खेत में पड़े नंदी दर्शनीय हैं। सिहोनिया की शाल भंजिका, स्खलित वसना नायिका, कमनीय अप्सरायें, गूजरी महल संग्रहालय, ग्वालियर को सुशोभित कर रही हैं। ककनमठ का शिव मंदिर राजा कीर्तिराज ने ग्यारहवीं सदी में अपनी रानी ककनावती के नाम पर बनवाया था। यह इलाका महाकवि भवभूति की रचना स्थली भी माना जाता है।

मितावली (एकतारेश्वर महादेव मंदिर):

यह स्थल मुरैना मुख्यालय से 45 कि.मी. दूरी पर स्थित है। इस मंदिर को चौसठ योगिनी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर पहाड़ी पर गोलाकार बना हुआ है। इसमें गोलाई में कमरे बने हुए हैं, जिनमें एक-एक शिवलिंग वर्तमान में रखा हुआ है। उसके सामने गोलाकार गलियारा है। मंदिर के बीचों बीच एक बड़ा शिवलिंग स्थित है। यहां पर तंत्र क्रिया करने का एक केन्द्र रहा है। गोलाकार होने से यह मंदिर संसद की तरह दिखता है।

पढ़ावली(गढ़ी)

यह मुरैना मुख्यालय से 40 कि.मी. दूरी पर स्थित है। यह मंदिर गुप्तकालीन विष्णु मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की छत पर (सीलिंग) पर कृष्ण जन्म से लेकर अन्य देवी-देवताओं का अंकन है। इसके साथ ही यहां पर कुछ कामुक आसनों को दिखाया गया है।

बटेश्वर (समूह मंदिर बटेश्वर)

यह स्थल मुरैना मुख्यालय से लगभग 45 कि.मी. दूर स्थित होकर समूह मंदिरों के नाम से प्रसिद्ध है। यह पढ़ावली ग्राम से 2 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यहां पर कई शिव मंदिरों का समूह है, जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। जिनका पुरातत्व विभाग द्वारा जीर्णोद्धार किया जा रहा है। यह मंदिर प्रतिहारकालीन है।

कुंतलपुर

यह स्थल मुरैना मुख्यालय से 30 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। उक्त स्थल महाभारत कालीन होकर यहां कुंती की ननिहाल एवं कर्ण का जन्म स्थल भी है। यहां पर सूर्य भगवान के रथ एवं घोड़ों के पैरों के निशान आज भी पत्थरों की शिलाओं पर बने हुए हैं। कुंतलपुर में हरिसिद्धी देवी एवं कालूराम सिद्ध बाबा का मंदिर एवं विशाल बांध भी स्थित हैं।

मुरली मनोहर मंदिर, ऐंती

यह मंदिर ग्राम ऐंती स्थित शनिश्चरा पहाड़ी पर स्थित है। यहां पर प्रतिवर्ष शरद पूर्णिमा पर मेले का भी आयोजन किया जाता है। यहां पर एक विशाल शिला भी है। जिस पर बाबा जयराम दास जी द्वारा सिद्ध पुरुष द्वारा तपस्या की जाती थी। बताया जाता है कि एक बार बाबा इस शिला पर बैठकर बाबा कपूर ग्वालियर वालों से मिलने आकाश मार्ग से गये थे। उक्त शिला आज भी मौजूद है।

मुरैना जिले के अन्य दर्शनीय स्थल

चम्बल सफारी की सैर

राष्ट्रीय चम्बल अभ्यारण्य की स्थापना घड़ियाल संरक्षण के लिए 1978 में की गई है। राष्ट्रीय चम्बल अभ्यारण्य में घड़ियाल, मगर, गंगेटिक डॉल्फिन एवं विभिन्न प्रकार के पक्षी पाये जाते हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चम्बल नदी के मुरैना जिला में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-3 के पास चम्बल सफारी बोटिंग स्टेशन वर्ष 2009 से प्रारंभ किया गया। जिसमें बैठकर पर्यटक नदी का विहंगम दृश्य निहारते हैं। पर्यटक बोट में बैठकर घड़ियाल, मगर, डॉल्फिन, प्रवासी पक्षियों को अपने साथ नदी एवं उसकी रेत में देखकर प्रफुल्लित मन से सुनहरी यादें वापस ले जाते हैं।

रहूघाट (चंबल नदी) का जल प्रपात

मुरैना जिले की सबलगढ़ तहसील मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर बहने वाली चम्बल नदी रहूगांव घाट पर गिरने वाला झरना दर्शनीय है। ग्राम पंचायत रहूगांव के रहूघाट पर चंबल नदी पर एक दह बनी हुई है। इस दह की गहराई कितनी है, इसे कोई नहीं जानता है। दह कैसे और कब बनी इस संबंध में भी कोई प्रमाणित तथ्य नहीं है।

जिले के सभी मतदान केन्द्रों के दस्तावेजों की हुई संवीक्षा

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम के तहत जिले में 7 मई को मतदान केन्द्रों में अपनाई गई मतदान प्रक्रिया व मतदान से संबंधित दस्तावेजों की बुधवार 8 मई को संवीक्षा (जाँच) की गई। संवीक्षा की कार्यवाही यहाँ एमएलबी कॉलेज के प्रशासनिक भवन में विधानसभा क्षेत्रवार प्रेक्षककृष्णा आदित्य तथा प्रत्याशियों व उनके के प्रतिनिधिगण की मौजूदगी में कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान और संबंधित एआरओ द्वारा संपादित की गई।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत संवीक्षा की कार्यवाही पूर्ण की गई। जिसमें खासतौर पर प्रारूप 17 ष्कश्, मतपत्र लेखा, पीठासीन अधिकारी की डायरी व अन्य दस्तावेजों की संवीक्षा (जाँच) की गई। संवीक्षा में पाया गया है कि जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के तहत मतदान संपादित हुआ है। इसलिये जिले में किसी भी मतदान केन्द्र में पुनरमतदान (री-पोल) की आवश्यकता नहीं है। संवीक्षा शुरू होने से पहले ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों एवं उनके प्रतिनिधियों ने ग्वालियर जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित, सुचारू एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान सहित चुनाव व्यवस्था से जुड़े जिला निर्वाचन कार्यालय एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

साथ ही चुनाव प्रक्रिया की खुलकर सराहना की। सभी का कहना था कि जिले में मतदान केन्द्रों पर बेहतर व्यवस्थायें की गई थीं। साथ ही स्वीप के तहत चलाए गए मतदाता जागरूकता अभियान की बदौलत जिले के मतदान प्रतिशत में बड़ा इजाफा हुआ है। संवीक्षा के दौरान अपर कलेक्टर टीएन सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन, एआरओ ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र सूर्यकांत त्रिपाठी, एआरओ ग्वालियर अतुल सिंह, एआरओ ग्वालियर पूर्व विनोद सिंह, एआरओ ग्वालियर दक्षिण नरेन्द्र बाबू यादव, एआरओ भितरवार डीएन सिंह एवं एआरओ डबरा विधानसभा क्षेत्र दिव्यांशु चौधरी ने अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्रों के दस्तावेज जाँच के सामने रखे।

अग्निशमन व्यवस्था पूर्ण नहीं करने पर 28 संस्थानों को निगम ने दिया नोटिस

ग्वालियर। भवन स्वामी, होटल, मैरिज गार्डन, विस्फोटक, बहुमंजिला इमारतें, कोचिंग संस्थान आदि की अग्निशमन व्यवस्था पूर्ण न होने पर 28 संस्थानों को निगम के अमले ने नोटिस जारी किये हैं। संबंधित संस्थाओं द्वारा यदि 7 दिवस के अंदर अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था पूर्ण कर फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट हेतु तत्काल ऑडिट नहीं कराया जाता है और कोई घटना घटित होती है तो संचालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उन्हें सील किया जायेगा।

अधीक्षण यंत्री डॉ अतिबल सिंह यादव ने बताया कि अग्नि के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाने पर निगम के अमले ने 28 संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिन संस्थानों को निगम के अमले ने नोटिस जारी किये हैं उनमें लक्ष्मीबाई कॉलोनी में केमिस्ट्री जोन केमिस्ट्री कोचिंग, मैथ्स जेईई कोचिंग, मोलेक्यलर क्लासेस सेंटर, दी केमिस्ट्री क्लास रूम सेंटर, यादव धर्मकांटे के पास मुरैना रोड हजीरा ग्वालियर पर श्री राधे हॉस्पिटल, अमरनाथ मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, एस.एस.टी. हॉस्पिटल, नारकोटिक्स के सामने मुरार ग्वालियर पर आरडी मेमोरियल हॉस्पीटल, माल रोड मुरार पर श्री साँवरिया हॉस्पिटल, झांसी रोड पर सहारा हॉस्पिटल, नई सडक लश्कर पर होटल शेरे पंजाब, यूनिवर्सिटी रोड सिटी सेंटर ग्वालियर पर डॉ. रोहित कालरा, चौहान प्याउ थाटीपुर ग्वालियर पर भगवती गार्डन, चेतकपुरी साइंस कॉलेज के सामने ग्वालियर पर श्री अचलनाथ मैरिज गार्डन, यादव कॉलोनी कटोरा ताल चौराहे पर आशीर्वाद हॉस्पीटल, पटेल नगर सिटी सेंटर ग्वालियर पर द विन्दल, कोटेश्वर मंदिर के सामने ग्वालियर पर निर्मल वाटिका, चेतकपुरी साइंस कॉलेज के सामने ग्वालियर पर महाराजा गार्डन, मुरार शहीद गेट के सामने मुरार ग्वालियर पर श्री कृष्ण वाटिका, थाटीपुर ग्वालियर पर शालीमार गार्डन, गोविन्दपुरी चौराहा ग्वालियर पर बालाजी गार्डन, हुरावली चौराहा मुरार ग्वालियर पर आमंत्रण परिणय वाटिका, भगवान महावीर मार्ग कम्पू लश्कर ग्वालियर पर महावीर भवन, सचिन तेंदुलकर रोड ग्वलियर पर हरदौल गार्डन, ठाठीपुर पेट्रोल पंप के पास वाली गली पर सार्थक गेस्ट हाउस, महलगेट के पास ग्वालियर पर श्रीजी उत्सव वाटिका, महलगेट के सामने ग्वालियर पर आशीर्वाद वाटिका एवं श्रीजी प्रणनेय वाटिका को नोटिस जारी किया गया है।

मनचले ने महिला से की छेड़छाड़

ग्वालियर। ड्यूटी कर वापस आ रही महिला कर्मचारी का एक मनचले ने रास्ता रोका और उससे छेड़छाड़ कर दी। घटना माधौगंज थाना क्षेत्र के बेटी बचाओ चौराहे की है। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी उसे धमकाकर भाग गया। घटना की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मनचले के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। माधौगंज थाना क्षेत्र के गोमती की फड़ी निवासी महिला बीती शाम ड्यूटी से वापस आ रही थी, अभी वह बेटी बचाओ चौराहे पर पहुंची ही थी कि तभी उसका रास्ता दीपक मंगलानी नामक मनचले ने रोका और उससे छेड़छाड़ करना शुरू कर दी। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दे दी। धमकी की शिकार पीडिता ने मदद के लिए लोगों को बुलाया तो आरोपी वहां से भाग निकला। घटना का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मतदान कराने वाले शासकीय सेवकों के खातों में घर पहुँचने से पहले ही पहुँचा मानदेय

ग्वालियर। मतदान दलों में शामिल जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की अथक मेहनत की बदौलत जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित व सुचारू ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ है। उन सभी के खातों में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा इस बार तत्परता के साथ मानदेय पहुँचाया गया है। मतदान सामग्री जमा करने के बाद शासकीय सेवक अपने घर भी नहीं पहुँच पाए थे, उससे पहले ही उनके खातों में प्रशासन ने मानदेय पहुँच दिया। मतदान प्रक्रिया से जुड़े शासकीय सेवकों के खातों में 85 लाख 68 हजार रूपए से अधिक धनराशि मानदेय के रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा पहुँचा दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने मतदान दलों के खातों में जल्द से जल्द मानदेय पहुँचाने के लिये कोषालय की विशेष टीम गठित की थी। जिसके सफ्ल परिणाम सामने आए हैं। जिला कोषालय अधिकारी अरविंद शर्मा ने बताया कि मतदान दलों में शामिल 6 हजार 529 शासकीय सेवकों के खातों में 85 लाख 68 हजार रूपए की पहुँचाई गई है।

पुलिसकर्मियों ने ईडीसी से अपने मताधिकार का प्रयोग किया

ग्वालियर। जिला पुलिस ने लोकसभा चुनाव के मतदान में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। अधिकांशतः चुनाव के दौरान पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपने मतदान केन्द्र से अन्यत्र डियूटी पर तैनात होते है। अपने मताधिकार से वंचित भी रह जाते थे। अतः पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह की मंशानुरूप ग्वालियर पुलिस की चुनाव सेल और जिला निर्वाचन कार्यालय के आपसी समन्वय और मेहनत व दृढसंकल्प से पुलिस कर्मियों को मतदान दल के साथ रवाना होने से पूर्व ईडीसी (मतदान कर्तव्य प्रमाण पत्र) वितरित किये गये। जिससे लगभग सभी पुलिस अधिकारी और

कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का सर्वाधिक प्रयोग किया। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर लोकसभा चुनाव 2024 में अभी तक सबसे अधिक लगभग 2400 कर्तव्यरत पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने ईडीसी से अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतन्त्र के महापर्व में हिस्सा लिया।

विभिन्न वार्डों में की फॉगिंग

ग्वालियर। संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। जिसके तहत बुधवार को विभिन्न वार्डों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एवं फॉगिंग कराई गई। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि दीनदयाल नगर की विभिन्न गलियों में, लक्ष्मन तलैया, आनंद नगर, त्यागी नगर, सीपी कॉलोनी, थाटीपुर, चंद्रबदनी नाका सहित विभिन्न क्षेत्रों में फोगिंग कार्य किया गया। इसके साथ ही शहर के अन्य भागों में भी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया।

आज समाज में मित्र का दुश्मन मित्र ही बन गया है: घनश्याम शास्त्री

ग्वालियर। मनुष्य को हमेशा सत्संग को सुनना चाहिए, सत्संग को सुनने से मनुष्य का कल्याण होता है। भगवान का नाम रोज लेने से मनुष्य का कल्याण हो जाता हैं। जो भी मनुष्य सच्चे मन से भगवान का जाप और नाम नहीं लेता है उस मनुष्य का कभी भी कल्याण एवं उद्धार नहीं हो सकता है। हर मनुष्य को भगवान कृष्ण की पूजा करनी चाहिए।

दौलतगंज स्थित राजा बाक्षर की गोठ श्री राजा बाक्षर मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं. घनश्याम शास्त्री महाराज ने बताया कि आज समाज में मित्र का दुश्मन मित्र ही बन गया है। आज मनुष्य अपने स्वार्थ के

लिए अपने मित्र की ही हत्या कर देता है। रामायण में भी कहा गया है कि जो मनुष्य अपने मित्र का दुःख देखकर दुखी नहीं होता है ऐसे लोग को देखने से पाप लगता है। मित्र का धर्म होता है कि अगर उसका मित्र संकट में है तो वह अपने मित्र की रक्षा करें। भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्तों की रक्षा हमेशा करते है। मनुष्य को अपने हर कार्य को समय पर करना चाहिए, काम से फुर्सत मिलने पर मनुष्य को भगवान की भक्ति करनी चाहिए जिससे उसका कल्याण हो सकें। भगवान छल- कपट करनें वाले मनुष्य की भक्ति को कभी भी पसंद नहीं करते है। हर मनुष्य को विधि के विधान का कर्म भोगना पड़ता है। मनुष्य को किसी भी महिला को गन्दी नजर से नहीं देखना चाहिए, जो भी मनुष्य ऐसा करता है वो पाप का भागी बनता है। इस अवसर पर महंत तरुण सूर्यवंशी, अनीता सुरेश बंसल एवं समस्त भक्तों ने महापुराण की आरती की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महिलाओं को सशक्त करने का कार्य किया :श्रीमती अलका गुर्जर

रतलाम। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती अलका गुर्जर ने बुधवार को रतलाम लोकसभा क्षेत्र के सैलाना स्थित ओसीन परिसर में महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महिलाओं के सम्मान में और सशक्त बनाने के लिए अनेक कार्य किए हैं। घर-घर में गैस, नल का कनेक्शन और मुद्रा लोन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र पर कार्य कर रहे हैं, जिससे देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का सपना है कि 2047 तक भारत विकसित देश बने और विश्व का नेतृत्व करते हुए फिर से विश्व गुरु बने। इसी उद्देश्य को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी काम कर रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में महिलाओं की अहम भूमिका है। हम सभी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों को मजबूत करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए भाजपा प्रत्याशी श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कर भाजपा की सरकार बनाना है। सम्मेलन को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने भी संबोधित किया।

श्रीमती अल्का गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ने से रोका और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अनेक योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नारी शक्ति वंदन कानून बनाकर देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास की राजनीति शुरू हुई है। वहीं कांग्रेस के शासनकाल में समाज को बांटने की राजनीति होती थी।श्रीमती गुर्जर ने कहा कि महिला शक्ति और किसी भी पार्टी को वोट नहीं करेगी। प्रत्येक बूथ पर महिलाओं को किसे वोट करना है, वह जानती हैं। महिलाओं की बात करें तो आज भारत की महिलाएं बहुत सशक्त हैं, महिलाओं को मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना के माध्यम से 1250 रुपए प्रति माह मिल रहे हैं। वहीं भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का अधिकार दिया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने श्रीमती द्रोपति मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बना कर आदिवासियों का सम्मान देने का कार्य किया है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रतलाम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने एक महिला प्रत्याशी को अवसर दिया है। ग्रामीण क्षेत्र में बहनें अधिक से अधिक जनसंपर्क कर मतदान कराएं, जिससे देश में फिर मोदी सरकार बने और विकसित भारत का सपना साकार हो सके।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, रतलाम-झाबुआ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, विधानसभा प्रभारी व पूर्व विधायक दिलीप मकवाना, श्रीमती अनीता कटारिया, श्रीमती संगीता चारेल, श्रीमती क्रांति जोशी, श्रीमती किरण माहेश्वरी, श्रीमती कैलाशीबाई चारेल, श्रीमती लीला पड़िहार, मंडल प्रभारी श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती जीवनज्योति, श्रीमती दिव्या शर्मा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा राठौड़ सहित मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहीं। सम्मेलन का संचालन जिला महामंत्री अनिता पाहुजा ने किया व आभार श्रीमती मनीषा सिलावट ने माना।

वंचितों, असहायों और पीड़ितों की सेवा कर पुलिस अधिकारी के साथ अच्छे नागरिक भी बनें: डीजीपी

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में 43वां उप पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण का शुभारंभ

भोपाल, । मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी में बुधवार को 43वें उप पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण बैच का शुभारंभ हुआ। डीजीपी सुधीर सक्सेना के मुख्य आतिथ्य में यह प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर डीजीपी सक्सेना ने 23 प्रशिक्षु डीएसपी को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी भाग्यशाली हैं कि आपको पुलिस सेवा, विशेषकर मध्यप्रदेश पुलिस सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है। पुलिस सेवा में आने के बाद वंचितों, पीड़ितों, असहायों की सहायता कर अच्छे पुलिस अधिकारी के साथ अच्छे नागरिक भी बनें। अकादमिक तथा फील्?ड प्रशिक्षण पूरी तन्?मयता से प्राप्?त करें। गंभीरता, व्?यावसायिक दक्षता, कठोर परिश्रम, ईमानदारी, संतुलित आचरण तथा सद्?व्यवहार से ही आप आदर्श पुलिस अधिकारी हो सकेंगे। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को चयनित होने पर शुभकामनाएं देते हुए उनकी सफलता में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहभागी रहे स्वजनों, मित्रों आदि को भी बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) संजय कुमार झा, पीएसओ टू डीजीपी डॉ. विनीत कपूर, मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के उप निदेशक/पुलिस अधीक्षक मलय जैन, सभी प्रशिक्षक, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मप्र पुलिस अकादमी के सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) नीरज पांडेय ने किया। आभार प्रदर्शन सहायक निदेशक (प्रशासन एवं संपदा) श्रीमती यास्मिन जहरा ने किया।

व्यावसायिक उत्कृष्टता, पारदर्शिता एवं व्यवहार कुशलता जरूरी

डीजीपी सक्सेना ने मध्यप्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास से भी प्रशिक्षु अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश ही नहीं देश भर में गंभीर चुनौतियों का समाधान किया है और हर मोर्चे पर उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन किया है। मध्यप्रदेश में डकैत समस्या का उन्मूलन, आसामाजिक तथा राष्ट्रविरोधी संगठनों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही, नक्सली समस्या के समाधान तथा महिला सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी दी। डीजीपी ने कहा कि वर्तमान में जन अपेक्षाएं भी बड़ी हैं, अत: व्यावसायिक उत्कृष्टता, पारदर्शिता एवं व्यवहार कुशलता से ही आप इन अपेक्षाओं पर खरे उतर सकते हैं। कानूनी प्रावधानों की अद्यतन जानकारी रखें। विवेचना विधि अनुसार करें। अपने साथी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन से सतत् और अच्छा संवाद एवं अच्छा व्यवहार आपको सफल पुलिस अधिकारी बनने में सहायक होगा।

अनुशासित रहें, कर्तव्यनिष्ठ बनें: संजय झा

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विशेष पुलिस महानिदेशक संजय कुमार झा ने कहा कि खाकी वर्दी पहनने के बाद जिंदगी के मायने बदल जाते हैं। त्योहार पुलिस अधिकारी के लिए चुनौती की तरह होते हैं। नागरिक त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मना पाएं, इसकी जिम्मेदारी पुलिस पर होती है। अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा अच्छे पुलिस अधिकारी की विशेषता होती है। उन्होंने कहा कि पुरानी पुलिसिंग और नई पुलिसिंग में काफी बदलाव हुए हैं। नए कानून भी पुलिस अधिकारी के लिए चुनौती के समान है। कानून का ज्ञान पुलिस अधिकारी के लिए आवश्यक है। अपराधियों के अपराध करने के तरीकों में भी पहले की अपेक्षा काफी बदलाव हुए हैं। अब नए-नए तरीकों से अपराधी अपराध कर रहे है, इनसे निपटने के लिए हमें भी दक्ष होना पड़ेगा। झा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आप एक अच्छे पुलिस अधिकारी बनेंगे।

पटवारी जी, कहते हैं कि जैसी नज़र, वैसे नज़ारे...

'गुण' अपने 'गुरू' से ही आते हैं और जीतू पटवारीके गुरू ठहरे राहुल गांधी, जो देश के 140 करोड़ लोगों को रंगभेद के आधार पर बदनाम कर गाली दे रहे हैं।

राहुल के पदचिन्हों पर चलते हुए महान सांस्कृतिक धरोहर और गौरवशाली इतिहास से सजे मध्यप्रदेश को जीतू अव्यवाहरिक नाम देकर, बदनाम कर मध्यप्रदेश की लगभग 8 करोड़ जनता को भी अपमानित कर रहे हैं।

जबलपुर- जो वीरांगना दुर्गावती की ससुराल,कवियों की कर्मभूमि है, जिसे संस्कारधानी कहा जाता है उसे आप 'गुंडा माफिया' कह अपमानित कर रहे हैं।

उज्जैन- बाबा महाकाल जहां के मालिक हैं उस लोक को आप 'जमीन माफिया' कहकर तिरस्कृत कर रहे हैं।

शहडोल- पाण्डव के वनवास स्थान, कोयला एवं गैस की उपलब्धता के लिए ख्याति प्राप्त जिले को 'खनन माफिया' क्षेत्र बता रहे हैं।

खजुराहो- हिन्दू और जैन धर्म के स्मारकों के समूह सांस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है, जहां की सरकार स्वयं भगवान मतंगेश्वर है वहां की 'कुर्सी माफिया' कहते जीतू पटवारी को शर्म नहीं आई।

इंदौर- मप्र की आर्थिक राजधानी इंदौर आपको राजनैतिक माफिया नजर आ रही है। मां अहिल्या की नगरी में आपकी राजनैतिक दुकान बंद हो गई। आप अपने घर में ही कांग्रेस का केंडिडेट खड़ा नहीं रख पाए, उसे 'राजनीतिक माफिया' बताते हुए आखों को पानी मर गया।

अलीराजपुर- कला प्रेमियों को गढ़ माने जाने वाले जिले को 'अस्मत माफिया' जिले कहते होंठ नहीं कपकपाएं।

कांग्रेस के काले कारनामे तो पहले ही प्रसिद्ध थे अब अपने प्रदेश को लेकर उनके नेताओं की घृणित सोच भी सामने आ रही है।

मध्यप्रदेश का हर नगर, हर शहर अपने अतीत के गौरव को समेटे हुए है। आप हमारे गौरवशाली, समृद्धशाली शहरों के नाम बदनाम करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

जनता कांग्रेस के ऐसे कृत्यों के कारण वोट की चोट देकर आपको आईना दिखा चुकी है। बची खुची कांग्रेस आपके रहते निपट रही है।

शहडोल में छात्रा से गैंगरेप के पांचों आरोपी गिरफ्तार

रीवा और उमरिया में अलग-अलग लोकेशन पर छिपे थे; प्रशासन ने गिराए सभी के घर

शहडोल। शहडोल में 10वीं की छात्रा से गैंगरेप के पांचों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार रात सभी आरोपी उमरिया और रीवा जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पकड़े गए। बुधवार को पूछताछ और मेडिकल के चलते इन्हें कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। हालांकि, देर शाम इनके घर पूरी तरह ढहा दिए गए।

शहडोल एसपी कुमार प्रतीक ने बताया कि पुलिस की कई टीमें उमरिया और रीवा जिले के अलग-अलग हिस्सों में लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस ने आरोपी ऐश्वर्य निधि गुप्ता उर्फ लल्लू गुप्ता (36) पिता स्वामीशरण गुप्ता, शाहिल कुरैशी (22) पिता शहीद कुरैशी, मोहम्मद शमीम (18) पिता मो. अकरम, मो. अफजल अंसारी (28) पिता फारूख, कैलाश उर्फ मन्नू पनिका (29) पिता राजू पनिका को पकड़ा है।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

cmyk